RNI NO. PUNBIL/2014/59416
UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

फुटपाथों का क्या भला, कर सकती सरकार।
जनता ने कब्जे किये, जनता ज़िम्मेदार।
जनता ज़िम्मेदार, उसी की सारी गलती।
खुद घेरे फुटपाथ, सड़क पर भी खुद चलती।
कह साहिल कविराय, चखे खुद चना-चबेना।
समाधान खुद करे, हमें क्या लेना-देना।

प्रस्तुति : डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 03 | ISSUE 165 | WEDNESDAY DATE 08-07-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

भारत और इंडोनेशिया की साझेदारी में सुनहरे अध्याय की शुरूआत, दोनों ने अनेक क्षेत्रों में समझौते किये : मोदी

» **नयी दिल्ली, यूटर्न/ 07 जुलाई**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत और इंडोनेशिया ने अपनी समग्र रणनीतिक साझेदारी का एक सुनहरा अध्याय शुरू करते हुए रक्षा, सुरक्षा , महत्वपूर्ण खनिज, समुद्री क्षेत्र, प्रौद्योगिकी और कृषि आदि क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के समझौते किये हैं।

इंडोनेशिया की तीन दिन की यात्रा पर गए श्री मोदी ने मंगलवार को राजधानी जकार्ता में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य में कहा कि आज से भारत और इंडोनेशिया की साझेदारी का एक सुनहरा अध्याय शुरू हो रहा है। उन्होंने कहा कि 2018 में बनी हमारी समग्र रणनीतिक साझेदारी आज एक नई उड़ान ले रही है।

उन्होंने कहा, 'हम विकास, सुरक्षा, प्रौद्योगिकी संस्कृति और शिक्षा हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम बढ़ा रहे हैं। मुझे विश्वास है, आज से भारत-इंडोनेशिया साझेदारी का एक सुनहरा अध्याय शुरू होगा।' प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच बढ़ता विश्वास हमारी रक्षा, सुरक्षा और समुद्री क्षेत्र में सहयोग को मजबूत कर रहा है।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने आज रक्षा आदान-प्रदान आपदा प्रबंधन और औद्योगिक सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनाई है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा आज हुए समझौतों से भारत की गुणवत्तापूर्ण और किफायती दवाएं अब इंडोनेशिया के नागरिकों को और सहजता से उपलब्ध होंगी।

संक्षिप्त खबरें

केरल भूस्खलन : पीड़ितों के साथ हर कदम पर खड़ी है कांग्रेस : प्रियंका गांधी

नयी दिल्ली, यूटर्न/ 07 जुलाई । कांग्रेस महासचिव और वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने केरल में हुए भूस्खलन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि मलबे में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव अभियान चलाया जा रहा है। श्रीमती वाड्रा ने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन खुद राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। पुलिस, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), (एसडीआरएफ) की टीमें और सिविल डिफेंस के स्वयंसेवक मौके पर राहत एवं बचाव कार्य में जुटे हुए हैं। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन, राज्य सरकार के मंत्री और स्थानीय कांग्रेस पदाधिकारियों, संबंधित एजेंसियों के साथ लगातार समन्वय स्थापित कर राहत कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। श्रीमती वाड्रा ने हादसे में अपने परिजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस कठिन समय में कांग्रेस उनके साथ पूरी मजबूती से खड़ी है और हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

राम मंदिर चंदा चोरी मामले में गोविंद देव गिरि महाराज पर भी कार्रवाई हो : विपक्ष

मुंबई, यूटर्न/ 07 जुलाई । अयोध्या के श्रीराम मंदिर चंदा चोरी मामले में चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार कर लिए गए हैं। इस बीच विपक्ष ने ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि महाराज पर भी कार्रवाई की मांग की है। विपक्ष का सवाल है कि उन्हें क्यों बचाया जा रहा है? एनसीपी (एसपी) नेता और विधायक रोहित पवार ने कहा, 'चंपत राय और अनिल मिश्रा से क्या होगा? लोगों का पैसा था, लाखों-करोड़ों का दान हुआ है। लेकिन, पहले दिन से ही काफी भ्रष्टाचार हुआ है। ये लोग ट्रस्ट की महत्वपूर्ण सीटों पर थे। हमें नहीं लगता है कि एसआईटी या फिर सीबीआई इस मामले में निष्पक्ष जांच करेगी। हम चाहते हैं कि पूरे मामले की न्यायिक जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट से दो लोगों का इस्तीफा मंजूर किया गया।

दिल्ली रिज को बनाया जाएगा राजधानी के 'ग्रीन लंग्स' : शाह

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 जुलाई ।**

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने नई दिल्ली में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत मिशन 70 लाख पौधारोपण अभियान का शुभारंभ और दिल्ली सरकार के विभिन्न कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। गृह मंत्री ने दिल्ली में हाई-सिक्योरिटी प्रिजन, नरेला का शिलान्यास, स्वचालित वाहन परीक्षण केंद्र का लोकार्पण, तीन नए डिपो का उद्घाटन और 300 इलेक्ट्रिक बसों का शुभारंभ किया और केन्द्रीय रिज एवं नानकपुरा रिज में पौधारोपण कर दिल्ली रिज के पुनर्जीवन अभियान की भी शुरूआत की। साथ ही कहा दिल्ली रिज को राजधानी के ग्रीन लंग्स के रूप में विकसित करने का मिशन शुरू हो गया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि वर्षों से दिल्ली रिज में पर्यावरण के अनुकूल नहीं होने वाले विदेशी और जहरीले बबूल जैसे वृक्षों ने जगह बना ली थी, अब इन्हें हटाकर देशी प्रजातियों के वृक्ष लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वर्ष 1994 में दिल्ली के 7,784 हेक्टेयर रिज क्षेत्र को भारतीय वन अधिनियम के तहत अधिसूचित किया गया था, लेकिन इसकी अंतिम अधिसूचना 30 वर्षों से लंबित थी। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाते हुए इसमें से लगभग 5,000 हेक्टेयर क्षेत्र को वन क्षेत्र घोषित कर दिया है। शाह ने कहा कि हम पूरी रिज को कानूनी संरक्षण दिलाकर उसकी जैव विविधता, मिट्टी, पानी और दिल्ली के पर्यावरण को नया स्वरूप देने वाले हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली के रिज को अगले तीन वर्षों में पीपल, बरगद, नीम, अर्जुन, जामुन जैसे 100 वर्ष से अधिक आयु वाले देशी वृक्ष लगाकर, इसे दिल्ली का फेफड़ा बनाया जाएगा।

> केन्द्रीय गृह मंत्री ने लोगों से अपील की कि वे अपनी माँ के नाम और पृथ्वी माँ के लिए पेड़ लगाएं। दोहरे उद्देश्य वाला यह अभियान आगामी दिनों में भारत को आगे बढ़ाएगा।

गृहमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान शुरू करके देश में पर्यावरण संतुलन का अद्भुत प्रयोग आरंभ किया है। पेड़ों की अंधाधुंध कटाई ने ओजोन परत में बड़े-बड़े छिद्र बना दिए हैं, जिससे पृथ्वी का तापमान असंतुलित हो रहा है। इस समस्या को रोकने का एक ही रास्ता है कि पृथ्वी से कार्बन डाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड के उत्सर्जन को कम किया जाए। यह कार्य केवल वृक्ष ही कर सकते हैं। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी ने एक पेड़ माँ के नाम का नारा दिया है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने लोगों से अपील की कि वे अपनी माँ के नाम और पृथ्वी माँ के लिए पेड़ लगाएं। दोहरे उद्देश्य वाला यह अभियान आगामी दिनों में भारत को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान ने न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व को यह संदेश दिया है कि पर्यावरण संतुलन की चिंता किए बिना विकास बेईमानी है।

मायावती ने राम मंदिर और बद्रीनाथ चढ़ावा विवाद की निष्पक्ष जांच की मांग की

लखनऊ, यूटर्न/ 07 जुलाई । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने अयोध्या के श्रीराम मंदिर और उत्तराखंड के बद्रीनाथ धाम में चढ़ावे से जुड़े कथित अनियमितताओं के मामलों की निष्पक्ष एवं गहन जांच कराने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि आस्था से जुड़े ऐसे मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होना बेहद जरूरी है। बसपा मुखिया मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा है कि यूपी के अयोध्या में श्री राम मन्दिर के बाद अब उत्तराखण्ड स्टेट में भी बद्रीनाथ धाम चढ़ावा में चोरी व गबन आदि होने का मामला काफी सुर्ख़ियों में हैं। इन दोनों विख्यात धार्मिक स्थलों में इनके ट्रस्ट से जुड़े मुख्य प्रबन्धकों की भी सही से जांच होनी चाहिये वरना फिर आगे चलकर इनकी आड़ में इनके स्थान पर दूसरे बने मुख्य प्रबन्धक भी इसका दुरुपयोग कर सकते हैं क्योंकि ऐसी आम चर्चा है कि निचले स्तर पर जो भी गड़बड़ी हुई है तो उसके लिए या तो मुख्य प्रबन्धकों की मिलीभगत है या फिर उनकी लापरवाही की वजह से यह सब कुछ हुआ है।

सूचना के अधिकार में छात्र की निजी जानकारी नहीं दी जा सकती : हाईकोर्ट

शिमला, यूटर्न/ 07 जुलाई । हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि किसी छात्र की डिग्री, नाम और पिता का नाम जैसी जानकारियां निजी सूचना की श्रेणी में आती हैं। इन्हें बिना ठोस जनहित के सूचना के अधिकार (आरटीआई) कानून के तहत सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। अदालत ने स्पष्ट किया कि रिकॉर्ड में ऐसा कोई आधार नहीं था, जिससे यह साबित हो कि संबंधित जानकारी का खुलासा व्यापक जनहित में आवश्यक है। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने मानव भारती विश्वविद्यालय की याचिका स्वीकार करते हुए राज्य सूचना आयोग का 5 नवंबर 2019 का आदेश रद्द कर दिया।

4 दिन में 85 हजार से अधिक भक्तों ने किए बाबा बफार्नी के दर्शन

श्रीनगर, यूटर्न/ 07 जुलाई । अमरनाथ यात्रा के शुरूआती चार दिनों में श्रद्धालुओं की भारी आस्था देखने को मिली है। अब तक 85,779 से अधिक श्रद्धालु पवित्र गुफा मंदिर में बाबा बफार्नी के दर्शन कर चुके हैं। सोमवार को अकेले 28,818 श्रद्धालुओं ने 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र गुफा पहुंचकर पूजा-अर्चना की। प्रशासन के अनुसार यात्रा सुचारु रूप से जारी है और हर दिन श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। सोमवार को कई इलाकों में बारिश होने के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ। बालटाल और पहलगाम, दोनों मार्गों से श्रद्धालु कठिन चढ़ाई पार कर गुफा तक पहुंचे और दर्शन किए।

राजधानी में स्वच्छ परिवहन, व्यापक हरित क्षेत्र को दी जा रही प्राथमिकता : रेखा गुप्ता

> राजधानी में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का विस्तार, रिज क्षेत्रों का संरक्षण, देशी प्रजातियों का वैज्ञानिक रोपण, वायु गुणवत्ता में सुधार, कचरा प्रबंधन और स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को व्यापक स्तर पर बढ़ावा दिया जा रहा है।

» **नयी दिल्ली, यूटर्न/ 07 जुलाई ।**

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि राजधानी में स्वच्छ परिवहन, व्यापक हरित क्षेत्र, आधुनिक आधारभूत संरचना और वैज्ञानिक पर्यावरण प्रबंधन को समान प्राथमिकता दी जा रही है। श्रीमती गुप्ता ने पौधारोपण कार्यक्रम में मंगलवार को कहा कि दिल्ली सरकार का स्पष्ट दृष्टिकोण है कि विकास और पर्यावरण एक-दूसरे के पूरक हैं। राजधानी में स्वच्छ परिवहन, व्यापक हरित क्षेत्र, आधुनिक आधारभूत संरचना और वैज्ञानिक पर्यावरण प्रबंधन को समान प्राथमिकता दी जा रही है। आज जिन परियोजनाओं का शुभारंभ एवं लोकार्पण हुआ है, वे केवल निर्माण कार्य नहीं हैं, बल्कि विकसित, स्वच्छ, सुरक्षित और आत्मनिर्भर दिल्ली के भविष्य की मजबूत नींव हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान और मिशन लाइफ ने पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप दिया है। दिल्ली सरकार उसी संकल्प को आगे बढ़ाते हुए पर्यावरण संरक्षण को केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सहभागिता से जुड़ा जन अभियान बना रही है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने इस वर्ष के बजट में 22,236 करोड़ रुपये के ग्रीन बजट का प्रावधान कर पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण, वन विकास एवं हरित अवसंरचना को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। राजधानी में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का विस्तार, रिज क्षेत्रों का संरक्षण, देशी प्रजातियों का वैज्ञानिक रोपण, वायु गुणवत्ता में सुधार, कचरा प्रबंधन और स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को व्यापक स्तर पर बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह का उनके निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग के लिए आभार प्रकट किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून व्यवस्था से लेकर पर्यावरण संरक्षण, यमुना के पुनर्जीवन, सार्वजनिक परिवहन और आधुनिक अवसंरचना के विकास तक, केंद्र सरकार का सहयोग दिल्ली को नई दिशा प्रदान कर रहा है। दिल्ली सरकार का लक्ष्य केवल आज की आवश्यकताओं को पूरा करना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए ऐसी राजधानी का निर्माण करना है, जहां स्वच्छ हवा, हरित क्षेत्र, सुरक्षित परिवहन, आधुनिक नागरिक सुविधाएं और सतत विकास एक साथ आगे बढ़ें। उन्होंने सभी दिल्लीवासियों से अपील की कि वे पर्यावरण संरक्षण को अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी मानते हुए कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं तथा उसका संरक्षण भी करें।

दिल्ली सरकार ने वर्ष 2026-27 के लिए 'मिशन 70 लाख पौधारोपण अभियान' का लक्ष्य निर्धारित किया है। यह अभियान केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि प्रत्येक पौधे के संरक्षण, निगरानी और उसके वृक्ष बनने तक की जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाएगी।

इस अभियान के माध्यम से राजधानी में पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी का व्यापक आंदोलन बनाया जाएगा, जिसमें स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए), स्वयंसेवी संगठन, धार्मिक संस्थाएं, औद्योगिक प्रतिष्ठान, सरकारी विभाग, सुरक्षा बल और आम नागरिक सक्रिय भागीदारी निभाएंगे।

गणना फॉर्म डिजिटाइजेशन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी, सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले दस बीएलओ के निलंबन की होगी सिफारिश : एसडीएम राजेश खोथ

» हरियाणा, यूटर्न/ 07 जुलाई ।

एसडीएम एवं विधानसभा निर्वाचक पंजीयन अधिकारी राजेश खोथ ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत गणना फॉर्म के डिजिटाइजेशन कार्य में किसी भी प्रकार की देरी एवं लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। सभी बूथ लेवल अधिकारी गणना फॉर्म की डिजिटाइजेशन का कार्य तेजी से पूरा करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले दस बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के निलंबन की अनुशंसा करते हुए निर्वाचन आयोग को पत्र भेजा जाएगा।

एसडीएम राजेश खोथ मंगलवार को जिला सचिवालय परिसर स्थित अपने कार्यालय में आयोजित अतिरिक्त सहायक निर्वाचन अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने बूथ नंबर 14 के बीएलओ द्वारा गणना फॉर्म डिजिटाइजेशन में किए गए सराहनीय कार्य पर 501रुपए की राशि देने की घोषणा की।उन्होंने बताया कि हांसी विधानसभा क्षेत्र में अब तक लगभग 66 प्रतिशत गणना फॉर्म का डिजिटाइजेशन कार्य पूरा हो चुका है, जबकि शेष कार्य को भी निर्धारित अंतिम तिथि 14 जुलाई तक हर हाल में पूरा करना सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में एसडीएम ने बताया कि गणना फॉर्म के डिजिटाइजेशन की धीमी गति पर पहले ही 20 बूथ लेवल अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि नोटिस मिलने के बाद भी यदि संबंधित अधिकारी अपने कार्य में अपेक्षित सुधार नहीं करते हैं तो उनके विरुद्ध कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी तथा सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले दस बीएलओ के निलंबन के लिए निर्वाचन आयोग को अनुशंसा भेजी जाएगी।

उन्होंने गणना फॉर्म के कार्य से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने अधीन कार्यरत बीएलओ की नियमित निगरानी करें तथा प्रतिदिन प्रगति की समीक्षा करें। किसी भी स्तर पर लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी फील्ड में सक्रिय रहकर बीएलओ का मार्गदर्शन करें ताकि अभियान को समयबद्ध तरीके से सफल बनाया जा सके।

एसडीएम राजेश खोथ ने बताया कि 12 जुलाई (रविवार) को सभी बीएलओ अपने-अपने मतदान केंद्रों पर उपस्थित रहेंगे और मतदाताओं से गणना फॉर्म भरवाने एवं प्राप्त करने का कार्य करेंगे। उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील की कि वे अपने संबंधित बूथ पर पहुंचकर आवश्यक दस्तावेजों सहित गणना फॉर्म भरने की प्रक्रिया में सहयोग करें, ताकि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य निर्धारित समय पर सफलतापूर्वक पूरा किया जा सके।

बैठक में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि अभियान के अंतिम चरण में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए तथा शेष कार्य को मिशन मोड में पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के निदेशों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करना सभी अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

एसडीएम ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर 16,26,49,50,61, 84, 118 120 तथा 182 में गणना फॉर्म डिजिटाइजेशन के कार्य की गति धीमी है।

नड्डा ने केरल के स्वास्थ्य तंत्र को और मजबूत बनाने का दिया आश्वासन

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 जुलाई

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने मंगलवार को केरल के स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन के साथ आभासी बैठक कर राज्य में प्रमुख स्वास्थ्य योजनाओं एवं जनस्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की। नड्डा ने केरल सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए राज्य के स्वास्थ्य तंत्र को और मजबूत बनाने के लिए केंद्र सरकार की ओर से निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक बैठक में टीबी मुक्त भारत अभियान, मुफ्त दवा सेवा पहल, मुफ्त डायग्नोस्टिक सेवा पहल, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत स्वास्थ्य मानव संसाधन, चिकित्सा शिक्षा, औषधि नियमन तथा खाद्य सुरक्षा एवं मानक जैसे प्रमुख कार्यक्रमों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ बनाने, गुणवत्तापूर्ण दवाओं एवं जांच सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाने, स्वास्थ्य अवसंरचना और मानव संसाधन को मजबूत करने, चिकित्सा शिक्षा में सुधार, दवाओं एवं ब्लड बैंकों की नियामक व्यवस्था को सशक्त बनाने तथा राज्य में खाद्य सुरक्षा प्रणाली को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया।

मुरलीधरन ने विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं में राज्य की प्रगति की जानकारी दी। स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कदमों से अवगत कराया तथा केंद्रीय सहयोग की आवश्यकता वाले प्रमुख मुद्दों को भी साझा किया। उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए केंद्र सरकार के साथ मिलकर कार्य करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

संक्षिप्त खबरें

शराब पीकर हाईवे पर दौड़ाया सवारियों से भरा ऑटो पलटा

गाजियाबाद, यूटर्न/ 07 जुलाई । लालकुआं से सवारी भरकर नशे में धुत चालक ने एनएच-नौ हाईवे पर ऑटो रिक्शा दौड़ा दिया। एबीईएस कॉलेज के सामने अनियंत्रित ऑटो ने एक बाइक सवार को टक्कर मार दी। बाइक वाला तो सड़क पर गिरते-गिरते संभल गया। वहीं संतुलन बिगड़ने से ऑटो रिक्शा पलट गया। इसमें सवार दो बच्चों और दो महिलाओं समेत कुल सात लोग घायल हो गए। इनमें से दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सूचना पर पहुंची क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना पुलिस ने चालक को हिरासत में ले लिया है और घायलों को डूंडाहेड़ा स्थित अस्पताल में भर्ती कराया। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि रविवार की रात करीब साढ़े नौ बजे हाईवे स्थित एबीईएस कॉलेज के सामने सवारियों से भरा ऑटो पलट गया। शराब के नशे में धुत चालक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। घायलों को एंबुलेंस की सहायता से डूंडाहेड़ा स्थित अस्पताल पहुंचाया गया। यहां प्रथम उपचार के बाद चोटिल सवारियों को छुट्टी दे दी गई। जबकि गंभीर रूप से घायल ईशु चौहान(27) निवासी शाहबेरी मार्केट थाना बिसरख जनपद गौतमबुद्धनगर और नूर बानो(52) गली नंबर 12, शांतिनगर गली नंबर 12 थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक को चिकित्सकों ने भर्ती कर लिया। घायल ईशू चौहान ने बताया कि ऑटो चालक शराब के नशे में था। ऑटो दौड़ाने पर सवारियों ने चालक का विरोध भी किया लेकिन वह नहीं माना।

'ऑपरेशन विश्वास' के तहत 2.5 करोड़ से अधिक कीमत के मोबाइल फोन बरामद

नई दिल्ली,आईएएनएस। 'ऑपरेशन विश्वास' के तहत दिल्ली पुलिस की ओर से 1 अप्रैल से 30 जून की अवधि में 1,790 खोए/चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। इस वर्ष के छह महीनों में कुल 2,400 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं, जिनकी अनुमानित कुल कीमत 2.5 करोड़ से अधिक है। दिल्ली पुलिस की ओर से खोए हुए मोबाइल फोन का पता लगाने और उन्हें नागरिकों को लौटाने के लिए तकनीकी निगरानी, डिजिटल ट्रैकिंग, फील्ड वेरिफिकेशन और समन्वित जांच के माध्यम से प्रयास किए गए। इसके लिए पुलिस की ओर से एक विशेष रिकवरी अभियान चलाया गया। दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस ने अप्रैल से जून की तिमाही के दौरान 1,790 खोए/चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद किए, और पूरे जिले में पुलिस स्टेशन-स्तर पर मोबाइल फोन सौंपे गए। बरामद किए गए 1,900 मोबाइल फोन उनके असली मालिकों को सौंपे गए।

447 करोड़ की लागत से तैयार ड्रीम प्रोजेक्ट एलिवेटिड रेलवे ट्रैक व स्टेशन 17 जुलाई को होगा जनता को समर्पित : सुभाष सुधा

प्रधानमंत्री ऑनलाइन प्रणाली से करेंगे ट्रैक का उद्घाटन व सिख संग्रहालय का शिलान्यास, शहरवासियों के साथ मिलकर थानेसर रेलवे स्टेशन पर मनाया जाएगा जश्न, भव्य एलिवेटिड रेलवे ट्रैक हुआ तैयार, पांच फाटकों पर जाम से मिलेगी निजात।

» प्रमोद कौशिक/संजीव कुमारी

थानेसर, यूटर्न/ 07 जुलाई । हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि अब ड्रीम प्रोजेक्ट एलिवेटिड रेलवे ट्रैक व एलिवेटिड रेलवे स्टेशन पूरा होने जा रहा है। इस प्रोजेक्ट को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को जनता को समर्पित करने जा रहे हैं, जो शहर के विकास को तेज गति से बढ़ाने का काम किया जाएगा। करीब लगभग 447 करोड़ रुपए की लागत से तैयार रेलवे एलिवेटिड ट्रैक पर 9 जुलाई को ट्रायल किया जाएगा।

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा मंगलवार को अपने सेक्टर-7 आवास कार्यालय पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस रेलवे ट्रैक की लंबाई पिहोवा रोड से कुरुक्षेत्र ब्लॉक सेक्शन तक 5.9 किलोमीटर है, वायडक्ट की लंबाई 4.8 किलोमीटर है, इस ट्रैक में 213 पिल्लर बनाए गए हैं, थानेसर शहर में रुकने के लिए एक स्टेशन का निर्माण किया गया है, इस स्टेशन पर प्लेटफार्म की लेंथ 15.8 मीटर है। इस प्रोजेक्ट के लिए हरियाणा सरकार की तरफ से 206 करोड़ रुपए और मिनिस्ट्री ऑफ रेलवे की तरफ से अन्य निर्माण कार्यों सहित कुल 446.84 करोड़ रुपए की सेंक्शन रेलवे विभाग की तरफ से दी गई है।

उन्होंने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने रेलवे क्रॉसिंग पर आरओबी की बजाए ड्रीम प्रोजेक्ट एलिवेटिड ट्रैक की मंजूरी देते हुए निर्माण कार्य की शुरूआत करवाई थी। इस प्रोजेक्ट को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने अथक प्रयासों से एलिवेटिड ट्रैक व स्टेशन का निर्माण कार्य पूरा करवाया है।

प्रधानमंत्री ऑनलाइन प्रणाली से करेंगे ट्रैक का उद्घाटन व सिख संग्रहालय का शिलान्यास।

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को जींद से ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से उनके ड्रीम प्रोजेक्ट रेलवे एलिवेटिड ट्रैक प्रोजेक्ट का उद्घाटन करेंगे। इसके साथ ही उमरी में 5 एकड़ में लगभग 124 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले सिख संग्रहालय की आधारशिला भी रखेंगे।

नवीन जिंदल यशस्वी छात्रवृत्ति योजना आर्थिक रूप से जरूरतमंद बच्चों के लिए उम्मीद की किरण : मोहन राणा

अश्विनी वालिया/कुरूक्षेत्र, यूटर्न/ 07 जुलाई । क्षत्रिय राजपूत सभा की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने प्रधान मोहन राणा चनालहेड़ी की अध्यक्षता में मोहन नगर स्थित जिंदल हाउस में पहुंचकर सांसद कार्यालय की योजनाओं के बारे में जाना। इस अवसर पर सांसद कार्यालय के प्रभारी धर्मवीर सिंह ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को तिरंगा भेंट करके सांसद नवीन जिंदल की ओर से उन्हें बधाई दी तथा समाज के विकास के लिए किए जाने वाले प्रत्येक कार्य में सहयोग का आश्वासन दिया। समाज के लोगों ने सांसद नवीन जिंदल द्वारा चलाई गई यशस्वी छात्रवृत्ति योजना की सराहना की। क्षत्रिय सभा के प्रधान मोहन राणा ने कहा कि राजपूत धर्मशाला के तत्वाधान में महाराणा प्रताप विद्यालय बच्चों को शिक्षित करने का कार्य लंबे समय से कर रहा है। महाराणा प्रताप विद्यालय में भी अनेक बच्चे ऐसे हैं। जिन्हें आर्थिक रूप से मदद की जरूरत है। सांसद नवीन जिंदल द्वारा चलाई गई यशस्वी छात्रवृत्ति योजना से इन बच्चों को भी विशेष रूप से लाभ पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि कुरूक्षेत्र संसदीय क्षेत्र के विकास के लिए क्षत्रिय राजपूत सभा सांसद नवीन जिंदल के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करेगी । उन्होंने क्षेत्र के विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से आ'ान करते हुए कहा कि अधिक से अधिक युवा इस योजना का लाभ लेने के लिए आगे आएं, ताकि वे बिना किसी आर्थिक चिंता के अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें और अपने जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें। इस अवसर पर सांसद कार्यालय के प्रभारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि इस योजना का दायरा और अधिक विस्तृत करते हुए अब प्राथमिक कक्षा से लेकर 12वीं तक पढ़ने वाले उन छात्र-छात्राओं को भी शामिल किया गया है.

दवा खरीद मामले को लेकर 'आप' का लगातार दूसरा दिन प्रदर्शन, सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 जुलाई ।

आम आदमी पार्टी ने कथित 650 करोड़ रुपये के दवा खरीद घोटाले को लेकर मंगलवार को लगातार दूसरे दिन विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज के नेतृत्व में कार्यकताओं ने दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल के बाहर सांकेतिक मौन प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ता तख्तियां लेकर खड़े रहे और किसी प्रकार की नारेबाजी नहीं की गई। सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में मरीजों को दवाइयां, जांच और समय पर इलाज नहीं मिलने की वजह कथित 650 करोड़ रुपये का दवा खरीद घोटाला है। उन्होंने दावा किया कि इस मामले के मुख्य आरोपी राजीव रंगीला को गिरफ्तार करने के बजाय देश छोड़कर भागने का मौका दिया गया और अब उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता लगातार कह रही हैं कि इस मामले में किसी को बख्शा नहीं जाएगा, लेकिन जब मुख्य आरोपी ही देश से बाहर चला गया है तो कार्रवाई किस पर होगी। उन्होंने सरकार से पूरे मामले पर जवाब देने की मांग की।

भारद्वाज ने बताया कि आम आदमी पार्टी दिल्ली के अलग-अलग सरकारी अस्पतालों के बाहर रोजाना इसी तरह का सांकेतिक प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि सोमवार को लोकनायक अस्पताल के बाहर प्रदर्शन किया गया था, मंगलवार को दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल के बाहर और बुधवार को जीटीबी अस्पताल के बाहर इसी तरह का विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

उन्होंने आरोप लगाया कि मामले में एफआईआर दर्ज होने के बावजूद एक महीने तक मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी नहीं की गई।

वनमहोत्सव पर आदेश अस्पताल में हुआ पौधारोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम

पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

» प्रमोद कौशिक

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 07 जुलाई । वनमहोत्सव के अवसर पर मोहड़ी स्थित आदेश मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के संदेश के साथ पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अस्पताल परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में अस्पताल के प्रबंध निदेशक एवं हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. गुणतास सिंह गिल ने प्रशासनिक अधिकारियों, मेडिकल स्टूडेंट्स तथा स्टाफ के साथ विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किये भी और पौधे वितरित भी किया। इस अवसर पर डॉ. गुणतास सिंह गिल ने कहा कि पेड़-पौधे केवल पर्यावरण की सुंदरता नहीं बढ़ाते, बल्कि मानव जीवन के अस्तित्व का आधार हैं। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच प्रत्येक व्यक्ति का यह दायित्व है कि वह अधिक से अधिक पौधे लगाए और उनकी नियमित देखभाल भी करे। वनमहोत्सव केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का संकल्प है। यदि हर व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसे वृक्ष बनने तक संरक्षित करे, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिल सकता है। उन्होंने कहा कि आदेश अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज समय-समय पर स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ सामाजिक एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यक्रमों का भी आयोजन करता रहता है, ताकि समाज में सकारात्मक जागरूकता बढ़ाई जा सके। कार्यक्रम के दौरान मेडिकल स्टूडेंट्स, चिकित्सकों तथा अस्पताल के प्रशासनिक स्टाफ ने पौधारोपण करने के साथ-साथ इन पौधों की नियमित देखभाल करने का भी संकल्प लिया। सभी ने पर्यावरण संरक्षण को जन-जन का अभियान बनाने का आ'ान करते हुए अधिक से अधिक लोगों को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करने का संदेश दिया।

महिला सशक्तिकरण की नई उड़ान: सरकार ने बढ़ाया स्वरोजगार का संबल

» निर्मल सिंह विर्क

पानीपत, यूटर्न/ 07 जुलाई । महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में हरियाणा सरकार लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। इसी कड़ी में हरियाणा महिला विकास निगम लिमिटेड की चेयरपर्सन सुनीता दुग्गल ने सोमवार को जिला सचिवालय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं को सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आ'ान किया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न योजनाओं के तहत 13 महिलाओं को ऋण स्वीकृति पत्र एवं चेक वितरित किए और महिलाओं को स्वरोजगार, बैंकिंग सुविधाओं और सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी दी गई।

अपने संबोधन में चेयरपर्सन सुनीता दुग्गल ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सोच है कि प्रदेश की प्रत्येक महिला आर्थिक रूप से मजबूत बने। उन्होंने कहा कि एक महिला केवल स्वयं का ही नहीं बल्कि दो परिवारों का भविष्य संवारती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के उत्थान के लिए अनेक ऐतिहासिक योजनाएं लागू की गई हैं, जिनका उद्देश्य महिलाओं की प्रतिभा को पहचान दिलाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं को स्वरोजगार के लिए ऋण उपलब्ध कराने के साथ-साथ अमूल और वीटा के बूथ भी उपलब्ध करा रही है ताकि महिलाएं स्वयं का व्यवसाय शुरू कर सकें। उन्होंने महिलाओं से अपने भीतर छिपी प्रतिभा को बाहर लाने का आ'ान करते हुए कहा कि आज सरकार हर स्तर पर उनके साथ खड़ी है।

युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष सुखविंद्र जाखड़ की अध्यक्षता में छात्र सम्मेलन का सफल आयोजन

» हरियाणा, यूटर्न/ 07 जुलाई ।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की 125वीं जयंती के पावन अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा, जिला हांसी द्वारा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष सुखविंद्र जाखड़ की अध्यक्षता में आईसीएस कोचिंग सेंटर, बरवाला में छात्र सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में प्रदेश प्रवक्ता संदीप आजाद एवं हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा के सुपुत्र संजीव गंगवा विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचारों, उनके संघर्षपूर्ण जीवन तथा राष्ट्र की एकता, अखंडता और स्वाभिमान के लिए दिए गए अतुलनीय योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने युवाओं का आ'ान किया कि वे राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए समाज और देश के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएँ।

इस अवसर पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के अमर उद्घोष 'एक देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान – नहीं चलेंगे!' को स्मरण करते हुए उनके राष्ट्र समर्पित जीवन को नमन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन प्रत्येक युवा के लिए प्रेरणा का स्रोत है तथा उनके विचार आज भी देश की युवा पीढ़ी का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष सुखविंद्र जाखड़ ने कहा कि भारतीय जनता युवा मोर्चा युवाओं में राष्ट्रभक्ति, सेवा, समर्पण एवं नेतृत्व की भावना को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर ऐसे कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्र सर्वोपरि का भाव ही डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन का मूल संदेश था, जिसे प्रत्येक युवा तक पहुँचाना समय की आवश्यकता है। इस अवसर पर जिला महामंत्री विनोद, मुकेश भारद्वाज, विक्रम चोपड़ा, बलकेश, मनदीप पेटवाड़, प्रवेश लेम्बोरिया, योगेश मिरका, सिद्धार्थ जांगड़ा, आलोक इंदोरा, पवन बेनीवाल सहित अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

नीति आयोग की 'स्मॉल सिटी इनिशिएटिव' में पानीपत बना देश का पायलट शहर, विकास की नई पटकथा शुरू: आयोग प्रोग्राम डायरेक्टर अन्ना रॉय

- टेक्सटाइल हब से ग्रोथ इंजन तक, नीति आयोग ने पानीपत के लिए तैयार की विशेष विकास रणनीति
- उद्योग, रोजगार और आधारभूत ढांचे को मिलेगी नई गति, नीति आयोग ने अधिकारियों के साथ बनाई कार्य योजना

» निर्मल सिंह विर्क

पानीपत, यु-टर्न 7 जुलाई। भारत सरकार के नीति आयोग की प्रोग्राम डायरेक्टर अन्ना रॉय ने मंगलवार को जिला सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में स्मॉल सिटी इनिशिएटिव विषय पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने की। बैठक में नीति आयोग द्वारा विकसित भारत-2047 के विजन के तहत छोटे शहरों के सुनियोजित आर्थिक विकास, औद्योगिक विस्तार, आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने तथा क्षेत्रीय संतुलित विकास की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में बताया गया कि नीति आयोग द्वारा देशभर के कई शहरों के अध्ययन के बाद पानीपत को पायलट शहर के रूप में चयनित किया गया है। पानीपत की मजबूत औद्योगिक पहचान, विशेषकर टेक्सटाइल एवं एमएसएमई सेक्टर, उत्कृष्ट कनेक्टिविटी तथा क्षेत्रीय आर्थिक महत्व को देखते हुए इसे इस महत्वाकांक्षी पहल में शामिल किया गया है। बैठक के दौरान विभिन्न विभागों से आधारभूत ढांचे, औद्योगिक गतिविधियों, पर्यावरण, नगर नियोजन, परिवहन, वित्त, जलापूर्ति, सीवरेज, रोजगार, कौशल विकास, निवेश, भूमि उपयोग तथा भविष्य की विकास परियोजनाओं से संबंधित विस्तृत आंकड़े उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। इन आंकड़ों के आधार पर पानीपत के लिए एक व्यापक आर्थिक विकास योजना तैयार की जाएगी, जो अन्य छोटे शहरों के लिए भी मॉडल बनेगी।

इस अवसर पर नीति आयोग की प्रोग्राम डायरेक्टर अन्ना रॉय ने कहा कि स्मॉल सिटी इनिशिएटिव का उद्देश्य छोटे शहरों की स्थानीय विशेषताओं, औद्योगिक क्षमता और मानव संसाधनों का वैज्ञानिक मूल्यांकन कर उनके लिए ऐसा विकास मॉडल तैयार करना है जो आर्थिक प्रगति, रोजगार सृजन, निवेश आकर्षित करने और बेहतर जीवन गुणवत्ता सुनिश्चित करने में सहायक बने। पानीपत अपने मजबूत टेक्सटाइल उद्योग, एमएसएमई नेटवर्क, उत्कृष्ट कनेक्टिविटी और क्षेत्रीय आर्थिक महत्व के कारण इस पहल के लिए आदर्श शहर है।

डिजिटल माध्यम से बच्चों की पढ़ाई पर नजर रख सकेंगे अभिभावक

फरीदाबाद, यूटर्न/ 07 जुलाई । जिले के राजकीय विद्यालयों में शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए शिक्षा विभाग द्वारा एक अभियान चलाया जा रहा है। निपुण मिशन के तहत अब विद्यार्थियों के अभिभावकों को डिजिटल माध्यम से सीधे स्कूल और शिक्षकों से जोड़ा जा रहा है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य घर और स्कूल के बीच के तालमेल को मजबूत करना है, ताकि बच्चों की शिक्षा में अभिभावकों की भागीदारी बढ़ सके। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार इस पहल के तहत सभी अभिभावकों को शिक्षा विभाग के मोबाइल एप और आधिकारिक व्हाट्सएप ग्रुप से अनिवार्य रूप से जोड़ा जा रहा है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला: पुलिस ने तीन आरोपियों को 1 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा, बैंक खातों की होगी गहन जांच

अयोध्या, यूटर्न/ 07 जुलाई । राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच में जुटी अयोध्या पुलिस को तीन आरोपियों की रिमांड मिली है। अदालत ने इस मामले में तीन आरोपियों को एक दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस अब तीनों से पूछताछ कर चोरी की गई राशि, बैंक खातों में हुए लेनदेन और अन्य वित्तीय पहलुओं की जांच करेगी। अदालत ने जिन आरोपियों को पुलिस रिमांड पर भेजा है, उनमें लवकुश मिश्रा, अनुकल्प मिश्रा और करुणेश पांडेय शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के बैंक खातों से जुड़े दस्तावेजों और वित्तीय लेनदेन की पड़ताल के लिए रिमांड जरूरी थी। जांच एजेंसियों को संदेह है कि मंदिर के चढ़ावे का कुछ हिस्सा विभिन्न सामानों की खरीद और अन्य कार्यों में इस्तेमाल किया गया है। ऐसे में बैंक रिकॉर्ड और डिजिटल लेनदेन की जांच से मामले से जुड़े नए तथ्य सामने आ सकते हैं। जांच के दौरान पुलिस पहले ही आरोपियों के पास से बड़ी मात्रा में नकदी बरामद कर चुकी है। पुलिस के अनुसार, लवकुश मिश्रा के पास से 14.25 लाख रुपए, अनुकल्प मिश्रा के पास से 16.82 लाख रुपए और करूणेश पांडेय के पास से 18.07 लाख रुपए नकद बरामद किए गए हैं। अब पुलिस यह पता लगाने का प्रयास करेगी कि इन रकम का स्रोत क्या है और इनका संबंध कथित चढ़ावा चोरी से है या नहीं। सूत्रों के मुताबिक, रिमांड अवधि के दौरान पुलिस आरोपियों से बैंक खातों में जमा राशि, संपत्तियों की खरीद, नगदी के इस्तेमाल और अन्य संदिग्ध वित्तीय लेनदेन के संबंध में पूछताछ करेगी। करुणेश पांडेय के मामले में उसकी पत्नी के बैंक खाते में जमा 18 लाख रुपए को लेकर भी सवाल उठे हैं।

अम्बाला शहर की सब्जी मंडी में हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन राजेश ठकराल जी का हुआ भव्य स्वागत

» राजेश सलूजा

हरियाणा, यूटर्न/ 07 जुलाई । अंबाला शहर की नई सब्जी मंडी में हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड के नवनियुक्त चेयरमैन राजेश ठकराल का अभिनंदन समारोह का आयोजन मंडी प्रधान अमरनाथ बिरला की अध्यक्षता में हुआ जिसमें हरियाणा सब्जी मंडी एसोशिएशन के चेयरमैन हरीश धमीजा भी वशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इन दोनों का अंबाला मंडी के आढ़तियों ने स्वागत किया। राजेश ठकराल को अमरनाथ बिरला और शिव चंद्र तुली ने पगड़ी और शाल ओढ़ा कर ओर अन्य आढ़तियों ने फूल मालाओं से स्वागत किया फिर हरीश धमीजा का भी शाल ओढ़ा कर और फूल मालाओं से स्वागत किया। हरीश धमीजा ने सब को संबोधित करते हुए कहा कि किसी आढ़ती को मार्केट कमेटी के कर्मचारी से डरने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि व्यापारी हितैषी राजेश ठकराल को मुख्यमंत्री नायब सिंह जी ने हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड का चेयरमैन नियुक्त किया है । ये वही शख्स हैं जिन्होंने हमारी पीड़ा जानकर 2021 में तत्कालीन मुख्यमंत्री वर्तमान केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल से प्रथम भेंट करवाई थी जिसमें एक मुश्त फीस होने का रास्ता प्रशस्त हुआ और बाद में एक मुश्त भी हुई और 2% की बजाए 1% भी हुई । इनके सहयोग से एक मुश्त मार्केट फीस में 15% वार्षिक बढ़ौतरी की बजाए 5% हुई उससे पहले भी इन्हीं के सहयोग से 21 जनवरी 2025 को एक ऐसी अधिसूचना जारी करवाई जिसके अनुसार एक मुश्त फीस विकल्प वाले आढ़ती के ऊपर कोई अधिकारी स्टॉक रजिस्टर इत्यादि अन्य कोई भी बही मेंटेन करने का दबाव नहीं डाल सकता जिससे वह अफसरी राज से पूर्णतया मुक्त हो गया। इन सभी कामों का श्रेय हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड के नवनियुक्त चेयरमैन राजेश ठकराल को जाता है। इसके बाद राजेश ठकराल ने संबोधित करते हुए कहा कि मैने यह काम समाज सेवा के नाते करवाए क्योंकि मैं आपकी पीड़ा को समझता हूं, मैने हमेशा जनहित के लिए कार्य किए हैं और तब मैं किसी पद पर भी नहीं था शायद इसी वजह से ही मुझे व्यापारी कल्याण का विभाग मुख्यमंत्री ने दिया ।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

सतलुजः जितना ज्यादा आप बैन करेंगे, लोग उतना ही ज्यादा देखेंगे

संदीप शर्मा

रिलीज होने के सिर्फ. 48 घंटे बाद ही ओटीटी प्लेटफॉर्म से सतलुज मूवी को अचानक हटाए जाने से भारत की सबसे पुरानी बहसों में से एक फिर से शुरू हो गई हैः क्या सेंसरशिप के जरिए मुश्किल इतिहास को संभाला जा सकता है? सरकार की चिंता यह है कि फि ल्म के कुछ हिस्सों का इस्तेमाल भारत-विरोधी और खालिस्तान-समर्थक गुट कर सकते हैं, खासकर पंजाब में चुनावों से पहले। इस चिंता को हल्के में नहीं लिया जा सकता। भारत ने उग्रवाद की भारी कीमत चुकाई है और कोई भी ज़िम्मेदार सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े असली खतरों को नजरअंदाज नहीं कर सकती। फिर भी, एक और जरूरी सवाल हैः क्या किसी फि ल्म को दबाने से देश का पक्ष मजबूत होता है या कमजोर? मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालरा की ज़िंदगी पर आधारित सतलुज फि ल्म पंजाब के सबसे काले दौर उग्रवाद, लोगों के गायब होने और कथित तौर पर बिना कानूनी प्रक्रिया के हत्याओं (एक्स्ट्रा-ज्यूडिशियल किलिंग) की कहानी कहती है। यह इतिहास दर्दनाक है, इसलिए इसे प्रशासनिक तौर पर मिटाने के बजाय इस पर समझदारी से बात करने की जरूरत है। लोकतंत्र की पहचान मुश्किल इतिहास के न होने से नहीं, बल्कि उसका सामना करने की इच्छाशक्ति से होती है। जर्मनी नाजीवाद पर चर्चा को नहीं मिटाता। दक्षिण अफ़्रीका ने रंगभेद को आधिकारिक चुप्पी के नीचे नहीं दबाया। इसके बजाय, समाज जख्मों को स्वीकार करके और उन्हें हथियार बनाने की कोशिशों को नकार कर ही उबरता है। पंजाब की कहानी भी ऐसी ही है। राज्य ने एक साथ दो क्रूर सच्चाइयों का सामना किया। एक तरफ, भारत को तोड़ने की कोशिश करने वाले आतंकवादियों ने हजारों बेगुनाह नागरिकों, पुलिसकर्मियों और सरकारी कर्मचारियों की हत्या कर दी। दूसरी तरफ, उग्रवाद-विरोधी अभियानों के दौरान मानवाधिकारों के उल्लंघन के दस्तावेजी आरोप भी लगे हैं। एक सच्चाई को मानने का मतलब दूसरी सच्चाई को नकारना नहीं है। समझदार समाज दोनों सच्चाइयों को एक साथ समझने की क्षमता रखते हैं। यहीं पर मौजूदा विवाद चिंताजनक हो जाता है। अगर सतलुज मूवी कई स्तरों की जांच से गुजर चुकी थी, उसमें बदलाव किए गए थे और आखिरकार उसे स्ट्रीम करने की मंजूरी मिल गई थी, तो उसे हटाने से संस्थागत फैसला लेने की प्रक्रिया पर भरोसे के बजाय अनिश्चितता का माहौल बनता है। नागरिक स्वाभाविक रूप से पूछते हैंः 48 घंटों में क्या बदल गया? क्या कोई नई खुफिया जानकारी मिली थी? क्या कुछ सीन आपत्तिजनक पाए गए थे? या क्या पहले दी गई मंजूरी पर राजनीतिक संवेदनशीलता हावी हो गई? पारदर्शिता न होने पर अटकलें लगनी ही हैं। विडंबना यह है कि फि ल्म को हटाने से शायद वही हुआ जिससे सरकारें अक्सर बचना चाहती हैं। एक कम जानी-मानी फि ल्म अब राष्ट्रीय चर्चा का विषय बन गई है। आज का पंजाब 1980 और 1990 के दशक की शुरूआत वाले पंजाब से बहुत अलग है। एक पूरी पीढ़ी ऐसी है जिसने आतंकवाद की भयावहता को नहीं देखा है। उन्हें सिनेमा से दूर रखने से इतिहास नहीं मिटेगा; इससे वे बस सोशल मीडिया पर चल रही एकतरफा बातों के प्रति संवेदनशील हो जाएंगे। फि ल्में इतिहास को दिखाने का कोई सटीक जरिया नहीं हैं। वे घटनाओं को छोटा कर देती हैं, किरदारों को नाटकीय बनाती हैं और बारीकियों के बजाय भावनाओं को ज्यादा अहमियत देती हैं। इसका जवाब हमेशा पाबंदी लगाना नहीं, बल्कि बेहतर खुली बहस और अलग-अलग नजरिए को सामने लाना होना चाहिए। इसलिए, भारत के सामने 'सतलुज' से भी बड़ा सवाल है। सवाल यह है कि क्या भारत को लगता है कि उसके लोग इतने समझदार हैं कि वे अतीत का सामना कर सकें, बिना उसके कैदी बने? क्या इस सवाल का जवाब पूरी ईमानदारी से दिया जा सकता है ?

हिंद-प्रशांत में भारत की नई रणनीति

भारत की इस इंडो-पैसिफिक यात्रा को अनेक अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ 2026 की सबसे महत्वपूर्ण कूटनीतिक पहलों में से एक मान रहे हैं. 21वीं सदी की वैश्विक कूटनीति में भारत का उभरता रणनीतिक नेतृत्व-इंडो- पैसिफिक यात्रा को एक्ट ईस्ट नीति के एक नए अध्याय के रूप में देखा जा रहा है. साथियों, इंडोनेशिया विश्व का सबसे बड़ा मुस्लिम-बहुल लोकतंत्र है और मलक्का जलडमरूमध्य के निकट उसकी रणनीतिक स्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण है।ऑस्ट्रेलिया महत्वपूर्ण खनिजों, रक्षा सहयोग और हिंद-प्रशांत सुरक्षा का प्रमुख भागीदार है, जबकि न्यूजीलैंड के साथ व्यापार, कृषि, शिक्षा और नवाचार के क्षेत्र में सहयोग की व्यापक संभावनाएँ हैं।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

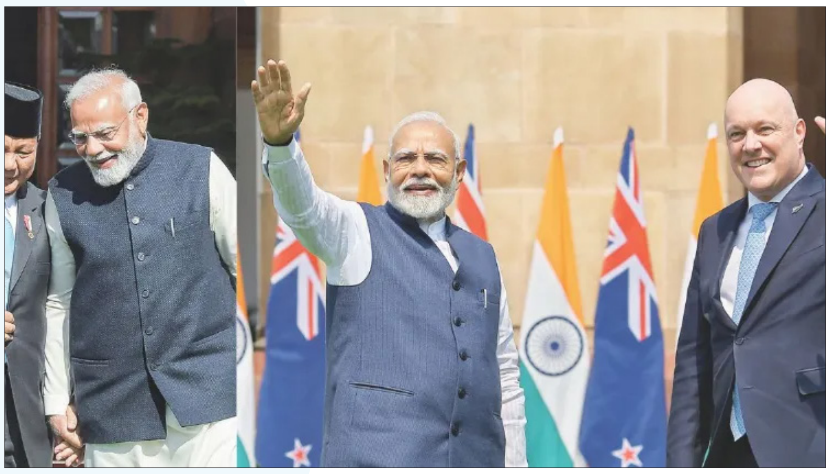

वैश्विक स्तरपर भारतीय पीएम की 6 से 11 जुलाई 2026 तक की इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की छह दिवसीय यात्रा जिसपर भारत से पूरे विश्व की नजरें लगी हुई है,केवल तीन देशों काराजनयिक दौरा नहीं है, बल्कि यह भारत की लगभग एक दशक से अधिक समय से विकसित हो रही एक्ट ईस्ट नीति का सबसे परिपक्व और व्यापक स्वरूप है। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब हिंद- प्रशांत क्षेत्र विश्व राजनीति, वैश्विक अर्थव्यवस्था,समुद्री व्यापार, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और सामरिक संतुलन का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है, विश्व की लगभग आधी आबादी, वैश्विक जीडीपी का बड़ा हिस्सा और अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार काअधिकांश भाग इसी क्षेत्र से होकर गुजरता है।ऐसे में मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि भारत का इस क्षेत्र में सक्रिय,संतुलित और बहु आयामी नेतृत्व केवल उसकी विदेश नीति का विस्तार नहीं बल्कि उसकी वैश्विक भूमिका का पुनर्परिभाषण भी है।यही कारण है कि इस यात्रा को एक्ट ईस्ट नीति के एक नए अध्याय के रूप में देखा जा रहा है।यह यात्रा केवल एक नियमित विदेश दौरा नहीं है, बल्कि यह उस बदलती वैश्विक व्यवस्था का प्रतीक है जिसमें भारत स्वयं को हिंद-प्रशांत (इंडो-पैसिफिक) क्षेत्र के एक उत्तरदायी, विश्वसनीय और निर्णायक साझेदार के रूप में स्थापित कर रहा है।जिसपर भारत से पूरे विश्व की नजरें लगी हुई है इस यात्रा का उद्देश्य भारत की एक्ट ईस्ट नीति, मुक्त, खुला और समावेशी इंडो-पैसिफिक,समुद्री सुरक्षाव्यापार प्रौद्योगिकी, रक्षा सहयोग, महत्वपूर्ण खनिजों, आपूर्ति श्रृंखला और लोगों के बीच संबंधों को नई गति देना है।इस दौरान तीनों देशों के शीर्ष नेतृत्व से द्विपक्षीय वार्ता, व्यापारिक समुदाय से संवाद और भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ संपर्क कार्यक्रम प्रस्तावित हैं।

साथियों, आज विश्व की भू-राजनीति का केंद्र तेजी से हिंद -प्रशांत क्षेत्र की ओर स्थानांतरित हो रहा है।वैश्विक समुद्री व्यापार का बड़ा भाग इसी क्षेत्र से होकर गुजरता है, जबकि ऊर्जा आपूर्ति,डिजिटल कनेक्टिविटी और वैश्विक उत्पादन नेटवर्क भी इसी क्षेत्र पर निर्भर हैं। ऐसे समय में भारत का उद्देश्य केवल अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करना नहीं है,बल्कि एक ऐसी व्यवस्था को मजबूत करना भी है जिसमें अंतरराष्ट्रीय कानून,नौवहन की स्वतंत्रता और सभी देशों की संप्रभुता का सम्मान बना रहे।यही कारण है कि इस यात्रा को अनेक अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ 2026 की सबसे महत्वपूर्ण कूटनीतिक पहलों में से एक मान रहे हैं।भारत की एक्ट ईस्ट नीति अब केवल दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ सांस्कृतिक संबंधों तक सीमित नहीं रही। यह आर्थिक,सामरिक,तकनीकी और समुद्री साझेदारी का व्यापक ढांचा बन चुकी है। इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड इस रणनीति के तीन महत्वपूर्ण स्तंभ हैं।

साथियों, इंडोनेशिया विश्व का सबसे बड़ा मुस्लिम-बहुल लोकतंत्र है और मलक्का जलडमरूमध्य के निकट उसकी रणनीतिक स्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण है।ऑस्ट्रेलिया महत्वपूर्ण खनिजों, रक्षा सहयोग और हिंद-प्रशांत सुरक्षा का प्रमुख भागीदार है, जबकि न्यूजीलैंड के साथ व्यापार, कृषि, शिक्षा और नवाचार के क्षेत्र में सहयोग की व्यापक संभावनाएँ हैं।इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक आयाम चीन के बढ़ते प्रभाव की पृष्ठभूमि में देखा जा रहा है।भारत ने कहीं भी प्रत्यक्ष टकराव की नीति नहीं अपनाई है,लेकिन वह नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और संतुलित शक्ति संरचना का समर्थन करता है। दक्षिण चीन सागर, समुद्री मार्गों और क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े प्रश्नों पर भारत समान विचार वाले देशों के साथ सहयोग बढ़ा रहा है। कई विश्लेषकों का मानना है कि यह यात्रा किसी सैन्य गठबंधन का संदेश नहीं, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता, संतुलन और साझेदारी का संकेत है।भारत और इंडोनेशिया के संबंध इस यात्रा में विशेष महत्व रखते हैं। दोनों देश हिंद महासागर और प्रशांत महासागर को जोड़ने वाले समुद्री क्षेत्र में स्थित हैं। रक्षा सहयोग,समुद्री निगरानी, डिजिटल साझेदारी, बंदरगाह विकास और संभावित रक्षा निर्यात जैसे विषय एजेंडे में शामिल हैं। विशेष रूप से ब्रह्मोस मिसाइल और समुद्री सुरक्षा सहयोग पर चर्चा अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक समुदाय की निगाहों में है।

साथियों, ऑस्ट्रेलिया के साथ संबंध पिछले कुछ वर्षों में अभूतपूर्व गति से मजबूत हुए हैं। आज दोनों देश केवल लोकतांत्रिक साझेदार नहीं बल्कि महत्वपूर्ण रणनीतिक सहयोगी भी हैं।रक्षा अभ्यास, समुद्री सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वच्छ ऊर्जा, शिक्षा, विज्ञान तथा महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति इस संबंध के प्रमुख आधार बन चुके हैं।विशेष रूप से लिथियम, कोबाल्ट और अन्य महत्वपूर्ण खनिज भारत के ऊर्जा संक्रमण और सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।विश्व अर्थव्यवस्था आज आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्गठन के दौर से गुजर रही है। महामारी, भू-राजनीतिक तनाव और क्षेत्रीय संघर्षों ने देशों को विश्वसनीय साझेदार खोजने के लिए प्रेरित किया है। भारत इस अवसर को विश्वसनीय विनिर्माण केंद्र के रूप में बदलना चाहता है। यदि इस यात्रा के दौरान व्यापार, निवेश, लॉजिस्टिक्स और महत्वपूर्ण खनिजों पर नए समझौते आगे बढ़ते हैं तो इसका प्रभाव भारतीय उद्योग,रोजगार और निर्यात पर भी सटीकता से दिखाई दे सकता है।

साथियों, न्यूजीलैंड यात्रा का विशेष महत्व इसलिए भी है क्योंकि कई दशकों बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह महत्वपूर्ण राजकीय यात्रा मानी जा रही है। कृषि अनुसंधान, डेयरी प्रौद्योगिकी,खाद्य प्रसंस्करण शिक्षा, पर्यटन और मुक्त व्यापार जैसे क्षेत्रों में सहयोग की नई संभावनाएँ खुल सकती हैं। दोनों देशों के बीच लोगों से लोगों के संबंध और भारतीय समुदाय भी इस साझेदारी की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। भारत की समुद्री नीति अब केवल तटीय सुरक्षा तक सीमित नहीं है। हिंद महासागर में मानवीय सहायता, आपदा राहत,समुद्री डकैती विरोधी अभियान,समुद्री पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षित समुद्री व्यापार मार्ग भारत की व्यापक रणनीति का हिस्सा हैं। इसी संदर्भ में भारत का मुक्त, खुला और समावेशी इंडो-पैसिफिक दृष्टिकोण विश्व समुदाय के लिए भी सटीकता से महत्वपूर्ण बन गया है।

जींद से देश को मिलेगी पहली हाइड्रोजन ट्रेन

सौरभ वार्ष्णेय

भारतीय रेलवे के इतिहास में एक बड़ा मील का पत्थर साबित होने जा रहा है। भारत अब जर्मनी, जापान, दक्षिण कोरिया, कनाडा, फ्रांस, स्वीडन के बाद हाड्रोजन ट्रेन वाला आठवां देश बन जायेगा जिसका परीक्षण भी सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। हरियाणा के विकास को गति देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 17 जुलाई को हरी झंडी दिखाकर राष्ट्र को समर्पित करेंगे। यह केवल एक नई रेल सेवा की शुरूआत नहीं, बल्कि भारत के हरित भविष्य, ऊर्जा आत्मनिर्भरता और तकनीकी क्षमता का प्रतीक भी है।

हाइड्रोजन ट्रेन के संचालन के साथ भारत विश्व के उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल हो जाएगा जिन्होंने स्वच्छ ईंधन आधारित रेल परिवहन को अपनाया है। जर्मनी, जापान, दक्षिण कोरिया, कनाडा, फ्रांस और स्वीडन जैसे विकसित देशों के बाद भारत हाइड्रोजन ट्रेन तकनीक अपनाने वाला आठवां देश बनने जा रहा है। यह उपलब्धि भारत की बढ़ती तकनीकी दक्षता और नवाचार क्षमता को

वैश्विक स्तर पर स्थापित करेगी।

क्या है हाइड्रोजन ट्रेन?

हाइड्रोजन ट्रेन ऐसी रेलगाड़ी होती है जो डीजल के स्थान पर हाइड्रोजन ईंधन का उपयोग करती है। इसमें हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक के माध्यम से बिजली उत्पन्न की जाती है, जिससे ट्रेन संचालित होती है। इस प्रक्रिया में ऊर्जा उत्पादन के दौरान कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन नहीं होता, बल्कि केवल जलवाष्प और पानी निकलता है। यही कारण है कि इसे पर्यावरण के अनुकूल और भविष्य की परिवहन प्रणाली माना जा रहा है।

विश्व भर में बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता को कम करने के लिए हाइड्रोजन ऊर्जा को एक महत्वपूर्ण विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। भारतीय रेलवे भी वर्ष 2030 तक नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है, जिसमें हाइड्रोजन ट्रेनें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

भारतीय रेलवे के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन के कोच चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्टरी (आईसीएफ) में तैयार किए गए हैं। इस परियोजना का सफल परीक्षण भी पूरा हो चुका है, जिससे इसके सुरक्षित और प्रभावी संचालन का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

रेलवे विशेषज्ञों के अनुसार हाइड्रोजन ट्रेन पारंपरिक डीजल ट्रेनों की तुलना में अधिक पर्यावरण-अनुकूल होने के साथ-साथ कम शोर उत्पन्न करती है। इसके संचालन से ईंधन आयात पर निर्भरता कम होगी और स्वदेशी तकनीक को भी बढ़ावा मिलेगा। यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ग्रीन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के विजन को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

चिंतन-मनन : तुम्हारी सम्पदा है निष्ठा

यदि तुम सोचने हो कि ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर का कुछ हित कर रही है, तो यह भूल है। ईश्वर या गुरु में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर या गुरु का कुछ नहीं करती। निष्ठा तुम्हारी सम्पदा है। निष्ठा तुम्हें बल देती है। तुममें स्थिरता, केंद्रीयता, प्रशांति और प्रेम लाती है। निष्ठा तुम्हारे लिए आशीर्वाद है। यदि तुममें निष्ठा का अभाव है, तुम्हें निष्ठा के लिए प्रार्थना करनी होगी। परन्तु प्रार्थना के लिए निष्ठा की आवश्यकता है यह विरोधाभासी है। लोग संसार में निष्ठा रखते हैं परन्तु समस्त संसार सिर्फ साबुन का बुलबुला है। लोगों की स्वयं में निष्ठा है परन्तु वे नहीं जानते कि वे स्वयं कौन हैं! लोग सोचते है कि ईश्वर में उनकी निष्ठा है परन्तु वे सचमुच नहीं जानते कि ईश्वर कौन है।

निष्ठा तीन प्रकार की होती है- पहली है स्वयं में निष्ठा- स्वयं में निष्ठा के बिना तुम सोचते हो, मैं यह नहीं कर सकता, यह मेरे लिए नहीं, मैं कभी इस जिंदगी से मुक्त नहीं हो पाऊंगा। दूसरी है संसार में निष्ठा-संसार में तुम्हें निष्ठा रखनी ही होगी वरना तुम एक इन्च भी नही बढ़ सकते। यदि तुम सब पर शक करोगे, तब तुम्हारे लिए कुछ नहीं हो सकता। तीसरे ईश्वर में निष्ठा रखो, तभी तुम विकसित होगे। ये सभी निष्ठाएं आपस में जुड़ी हैं।प्रत्येक को मजबूत होने के लिए तुममें तीनों ही होनी चाहिए। यदि तुम एक पर भी शक करोगे, तुम सब पर शक करना आरम्भ कर दोगे। ईश्वर, संसार और स्वयं के प्रति निष्ठा का अभाव भय लाता है। निष्ठा तुम्हें पूर्ण बनाती है-सम्पूर्ण संसार के प्रति निष्ठा होते हुए भी ईश्वर में निष्ठा न होने से पूर्ण शान्ति नहीं मिलती। यदि तुममें निष्ठा और प्रेम है तो स्वतः ही तुममें शांति और स्वतत्रता होगी।अत्यधिक अशान्त व्यक्तियों को समस्याओं से निकलने के लिए ईश्वर में निष्ठा रखनी चाहिए। निष्ठा और विश्वास में फर्क है। निष्ठा आरम्भ है, विश्वास परिणाम है। स्वयं के प्रति निष्ठा स्वतंत्रता लाती है। संसार में निष्ठा तुम्हें मन की शांति देती ह। ईश्वर में निष्ठा तुममें प्रेम जागृत करती है।

भारत ने इंडोनेशिया के साथ ब्रह्मोस मिसाइल की आपूर्ति के लिए किया करार, घरेलू डिफेंस इंडस्ट्री को मिलेगा बढ़ावा

» **मुंबई, यूटर्न/ 07 जुलाई।**

भारत ने इंडोनेशिया के साथ मंगलवार को ब्रह्मोस मिसाइल की आपूर्ति को लेकर करार किया। इससे एक तरफ देश के दक्षिणपूर्व एशियाई देश के साथ संबंध मजबूत होंगे और दूसरी तरफ देश की घरेलू डिफेंस इंडस्ट्री को बढ़ावा मिलेगा।

साथ ही, इंडोनेशिया भारत में बनी 'अस्त्र' एयर-टू-एयर मिसाइलें भी खरीदने वाला है। डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित 'अस्त्र' एक 'बियॉन्ड-विजुअल-रेंज' मिसाइल है, जिसे तेजी से दिशा बदलने वाले दुश्मन के विमानों को ट्रैक करके नष्ट करने के लिए बनाया गया है। भारत के इंडोनेशिया को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की अतिरिक्त बैटरीज भी देने की संभावना है।

ये समझौते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया यात्रा के दौरान किए गए, जो उनके तीन देशों के दौरे का पहला चरण था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'हमारे देशों के बीच बढ़ता भरोसा हमारे रक्षा, सुरक्षा और समुद्री

सहयोग को मजबूत कर रहा है। आज, हमने रक्षा आदान-प्रदान, आपदा प्रबंधन और औद्योगिक सहयोग को बढ़ाने के लिए एक समझौते पर सहमति व्यक्त की है।' प्रधानमंत्री ने कहा, 'आज हुए समझौते से इंडोनेशिया के नागरिकों के लिए भारत की अच्छी क्वालिटी वाली और सस्ती दवाएं और भी आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी। हम इंडोनेशिया में डॉक्टरों और हेल्थकेयर वर्कर्स की क्षमता बढ़ाने में भी मदद करेंगे।'

भारत और इंडोनेशिया ने स्टील सप्लाई चेन के लिए मिनरल्स और टेक्नोलॉजी पर भी समझौता किया है। इसका मकसद जरूरी मिनरल्स की सप्लाई चेन को मजबूत करना है। भारत इंडोनेशिया के लिए खास इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) बनाने में भी मदद करेगा और इस दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश को अपनी चुनाव टेक्नोलॉजी की जानकारी देगा।

इस बीच, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो ने प्रधानमंत्री मोदी को देश के सबसे बड़े सम्मान 'बिंतांग आदिपूर्णा ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया' से सम्मानित किया। 1959 में शुरू किया गया 'बिंतांग आदिपूर्णा ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया' सम्मान, असाधारण सेवा के लिए दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश द्वारा दिया जाने वाला सबसे बड़ा नागरिक और सैन्य सम्मान है। यह प्रधानमंत्री मोदी को दुनिया भर में मिले सबसे बड़े सम्मानों की बढ़ती सूची में एक और सम्मान है।

सरकार लाएगी सहकारी जीवन बीमा और भारत टैक्सी जैसा एग्रीगेटर

मंत्रालय के 5वें स्थापना दिवस पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की घोषणा

नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 जुलाई। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सहकारिता मंत्रालय के 5वें स्थापना दिवस पर एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने बताया कि सरकार जल्द ही एक सहकारी जीवन बीमा कंपनी और 'भारत टैक्सी' की तर्ज पर एक सहकारी यूटिलिटी एग्रीगेटर को बढ़ावा देने में मदद करेगी, जिससे सहकारी क्षेत्र का विस्तार होगा। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित कार्यक्रम में शाह ने कहा कि इफ्को-टोक्यो जनरल इंश्योरेंस की सफलता से प्रेरणा लेते हुए, जो इफ्को और जापान के टोक्यो मरीन ग्रुप का संयुक्त उद्यम है, यह नई जीवन बीमा कंपनी बीमा क्षेत्र में सहकारी समितियों की पहुंच बढ़ाएगी। वर्तमान में भारत में लगभग 26 जीवन बीमा कंपनियां कार्यरत हैं।

सूत्रों के अनुसार, सहकारी बीमा कंपनी की योजना अभी शुरुआती स्तर पर है, लेकिन इसमें मौजूदा सहकारी समितियां ही प्रारंभिक प्रवर्तक हो सकती हैं। बाद में कुछ अन्य भागीदार भी शामिल किए जा सकते हैं। इसका ढांचा बीज, जैविक खेती और निर्यात को बढ़ावा देने वाली तीन नवगठित बहु-राज्य सहकारी समितियों के समान होगा, जिन्हें अमूल और एनडीडीबी जैसी बड़ी सहकारी संस्थाओं ने मिलकर बनाया है। ग्रांट थॉर्नटन भारत के फाइनैंशियल सर्विसेज रिस्क लीडर विवेक अय्यर ने इस पहल को सहकारिता मंत्रालय के वित्तीय समावेशन के व्यापक उद्देश्य से जोड़ते हुए इसे जीवन बीमा तक सहकारी दृष्टिकोण का विस्तार बताया।

संक्षिप्त खबरें

डॉलर की मजबूती से सोना और चांदी में गिरावट

नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 जुलाई। अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू बाजारों में सोने-चांदी की कीमतों में मंगलवार को गिरावट दर्ज की गई है, जिसकी मुख्य वजह अमेरिकी डॉलर की मजबूती है। कॉमेक्स पर सोना करीब 4,150 डॉलर प्रति औंस और चांदी 62 डॉलर के आसपास कारोबार कर रही है। वहीं घरेलू मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का वायदा भाव 1,46,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 2,33,400 रुपये प्रति किलोग्राम के करीब है। हालांकि, जानकारों का मानना है कि यह गिरावट अस्थायी है और लंबी अवधि में कीमतों में बड़ी कमी की संभावना कम है। एमसीएक्स पर मंगलवार को सोने का अगस्त वायदा अनुबंध 832 रुपये की गिरावट के साथ 1,46,085 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था, जबकि पिछला बंद भाव 1,46,917 रुपये था। इसी तरह, चांदी का सितंबर वायदा अनुबंध भी 2,713 रुपये टूटकर 2,33,386 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया, जिसका पिछला बंद भाव 2,36,099 रुपये था। इस साल सोने ने 1,80,779 रुपये और चांदी ने 4,20,048 रुपये प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ था। अंतर्राष्ट्रीय कॉमेक्स पर भी बहुमूल्य धातुओं में नरमी देखी गई।

एसयूवी सिएरा पर टाटा मोटर्स ने की आकर्षक छूट की घोषणा

नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 जुलाई। अपनी लोकप्रिय एसयूवी सिएरा पर टाटा मोटर्स ने पहली बार आकर्षक छूट की घोषणा की है। चालू माह में कंपनी सिएरा के डीजल वैरिएंट पर 25,000 रुपये तक का लॉयल्टी बोनस दे रही है। इसका सीधा मुकाबला मारुति ग्रैंड विटारा, होंडा एलिवेट, किआ सेल्टोस और हुंडई क्रेटा जैसी एसयूवी से होता है।

नई जनरेशन की टाटा सिएरा कई इंजन विकल्पों के साथ उपलब्ध है। इसमें 1.5-लीटर जीडीआई टर्बो पेट्रोल इंजन, 1.5-लीटर एनए पेट्रोल और 1.5-लीटर फोर-पॉट डीजल इंजन के विकल्प मिलते हैं, जो विभिन्न मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन विकल्पों के साथ उपलब्ध हैं। सुरक्षा के मामले में, सिएरा को बीएनसीएपी से 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग मिली है, जिसमें 6 एयरबैग, एबीएस के साथ ईबीडी, स्टेबिलिटी प्रोग्राम और इसोफिक्स चाइल्ड सीट माउंटिंग पॉइंट जैसे फीचर्स स्टैंडर्ड हैं। केबिन के भीतर, सिएरा में ट्रिपल-स्क्रीन लेआउट, साउंड बार के साथ 12-स्पीकर जेबीएल साउंड सिस्टम, हेड-अप डिस्प्ले (हुड), डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी, लेवल 2 अडास और 360-डिग्री कैमरा जैसे प्रीमियम फीचर्स दिए गए हैं। आइकॉनिक एल्पाइन रूफ को आधुनिक टच दिया गया है, जो अब एक एक्सटेंडेड फ्लैट ग्लास के रूप में है।

ईसीएलजीएस 5.0 के तहत 4.11 लाख से अधिक गारंटी जारी, 1.55 लाख करोड़ रुपए का ऋण हुआ स्वीकृतः सरकार

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 जुलाई।**

केंद्र सरकार ने मंगलवार को बताया कि इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम (ईसीएलजीएस) 5.0 के तहत लॉन्च होने के बाद से अब तक 4,11,497 गारंटी जारी की जा चुकी हैं, और इसके तहत कुल 1,55,229 करोड़ रुपए की गारंटी दी गई है, जो यह दर्शाता है कि बैंकिंग और वित्तीय प्रणाली ने इस योजना को तेजी से अपनाया है। सरकार के अनुसार, 5 मई 2026 को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मंजूर की गई यह योजना पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव से प्रभावित कारोबारों को तेजी से और बड़े पैमाने पर वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई थी।

यह योजना बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों के लिए जोखिम को कम करने का काम करती है, ताकि वे पात्र उधारकर्ताओं को अतिरिक्त ऋण उपलब्ध करा सकें। इससे कंपनियों को नकदी प्रवाह (कैश फ्लो) से जुड़ी समस्याओं से उबरने और अपने कारोबार को सुचारू रूप से जारी रखने में मदद मिलती है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि योजना के तहत एमएसएमई को दिए जाने वाले अतिरिक्त ऋण पर 100 प्रतिशत गारंटी और अन्य कारोबारी वर्गों के लिए 90 प्रतिशत गारंटी उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे वित्तीय संस्थानों का भरोसा बढ़ा है और जरूरतमंद क्षेत्रों तक तेजी से ऋण पहुंचाना संभव हुआ है। मंत्रालय ने कहा कि ईसीएलजीएस 5.0 के शुरुआती नतीजे यह साबित करते हैं कि सरकार एक मजबूत, त्वरित और भरोसेमंद ऋण व्यवस्था विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार का मानना है कि जैसे-जैसे इस योजना का दायरा बढ़ेगा और अधिक लोगों तक इसकी पहुंच बनेगी, यह विशेष रूप से एमएसएमई और उद्यमियों को बाहरी चुनौतियों के दौरान आवश्यक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सरकार के मुताबिक, इस योजना का सबसे बड़ा लाभ छोटे और मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को मिला है। जारी की गई कुल गारंटियों में से करीब 98 प्रतिशत संख्या के हिसाब से एमएसएमई को दी गई हैं, जबकि कुल गारंटी राशि का 82 प्रतिशत भी इसी क्षेत्र के हिस्से में आया है। योजना का लाभ अधिक से अधिक पात्र कारोबारियों तक पहुंचाने के लिए वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने देश भर में व्यापक जागरूकता अभियान शुरू किया है।

पहला चरण नौ स्थानों पर पूरा किया जा चुका है। यह अभियान स्टेट लेवल बैंकर्स कमेटी (एसएलबीसी) के माध्यम से चलाया गया, जिसमें नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी (एनसीजीटीसी), पीएसबी अलायंस, विभिन्न बैंक, उद्योग संगठनों और उद्यमियों ने भाग लिया। वर्तमान में अभियान का दूसरा चरण चल रहा है, जिसके तहत 10 स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इनमें से चार स्थानों पर कार्यक्रम पूरे हो चुके हैं। सरकार का कहना है कि इन जागरूकता कार्यक्रमों का उद्देश्य पात्र उधारकर्ताओं को योजना की जानकारी देना और सदस्य ऋणदाता संस्थानों (एमएलआई) को इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए तैयार करना है, ताकि जरूरतमंद कारोबारियों को समय पर वित्तीय सहायता मिल सके।

रिलायंस को सेबी की चेतावनीः इनसाइडर ट्रेडिंग मामले में नियमों का उल्लंघन

मुंबई, यूटर्न/ 07 जुलाई। बाजार नियामक सेबी ने देश की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) को चेतावनी दी है। यह चेतावनी कंपनी के सचिव और नियमों का पालन कराने वाले अधिकारी (कंप्लायंस ऑफिसर) को इनसाइडर ट्रेडिंग से संबंधित मामलों में नियमों का उल्लंघन करने और सूचना में देरी के लिए दी गई है। सेबी की जून से अगस्त 2024 के बीच हुई जांच में सामने आया कि कंपनी के दो कर्मचारियों (हर्ष जैन, कामिनी जैन) और एक करीबी रिश्तेदार (हिराई उमंग दोशी) ने उस समय रिलायंस के शेयरों में सौदे किए, जब उनके पास अप्रकाशित संवेदनशील जानकारी थी। हर्ष जैन ने जुलाई 2024 में दो शेयर खरीदे, कामिनी जैन ने 35 शेयर बेचे और अगले ही दिन 25 खरीदे, जबकि हिराई उमंग दोशी ने 15 शेयर बेचे। सेबी के अनुसार, ये सभी सौदे गोपनीय जानकारी के आधार पर किए गए, जो इनसाइडर ट्रेडिंग नियमों का उल्लंघन है। सेबी ने रिलायंस इंडस्ट्रीज पर जुर्माना नहीं लगाया है, लेकिन कंपनी द्वारा इन सौदों की जानकारी समय पर न देने पर गहरी चिंता जताई है। कंपनी ने यह जानकारी तब दी, जब सेबी ने इस बारे में सूचित किया। नियामक ने भविष्य में ऐसी लापरवाही न बरतने और नियमों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया है। रिलायंस ने इसे केवल चेतावनी बताया है और कहा है कि इससे कंपनी के कारोबार पर कोई असर नहीं पड़ेगा तथा वह सेबी के मुद्दों पर आवश्यक कदम उठाएगी। इस खबर के बावजूद सोमवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 1.31 फीसदी की बढ़त के साथ 1,321.40 रुपये पर बंद हुआ।

सिटीमॉल की नई रणनीतिः कीमत से जीतेगी ई-कॉमर्स की अगली जंग

गुरुग्राम की स्टार्टअप छोटे शहरों के निम्न-मध्यम वर्ग पर केंद्रित

- कंपनी अब 60 से ज्यादा शहरों (यूपी, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, एनसीआर) में किराना, एफएमसीजी और घरेलू सामान बेचती है।

» **दिल्ली, यूटर्न/ 07 जुलाई।**

गुरुग्राम की किराना क्षेत्र की स्टार्टअप सिटीमॉल इस बात पर दांव लगा रही है कि भारत में ई-कॉमर्स की अगली लहर कीमत से जीती जाएगी, न कि गति से। यह ब्लिंकइट और स्विगी इंस्टामार्ट जैसी त्वरित-कॉमर्स रणनीतियों को सीधी चुनौती है। कंपनी ने छोटे शहरों में निम्न-मध्य वर्ग के परिवारों के लिए कम लागत वाला, समुदाय-संचालित डिलिवरी नेटवर्क बनाया है, जिसे सीईओ अंगद किकला अगले 20 करोड़ परिवार कहते हैं। किकला का तर्क है कि बड़े ऑनलाइन खुदरा विक्रेताओं ने इन परिवारों को अनदेखा किया है। उनकी रणनीति तेज डिलिवरी के बजाय कीमत को प्राथमिकता देने वाले खरीदारों को जोड़ना है, जो 2030 तक भारत के ई-कॉमर्स बाजार को 60 अरब डॉलर से 250-300 अरब डॉलर तक ले जा सकता है। 2019 में अंगद किकला, नयशील वर्धन और राहुल गिल द्वारा स्थापित सिटीमॉल ने ऐक्सेल जैसे निवेशकों से 16.5 करोड़ डॉलर से अधिक जुटाए हैं।

कंपनी अब 60 से ज्यादा शहरों (यूपी, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, एनसीआर) में किराना, एफएमसीजी और घरेलू सामान बेचती है। मौजूदा वित्त वर्ष में 1,000 करोड़ रुपये की बिक्री का आंकड़ा पार कर चुकी सिटीमॉल अगले वित्त वर्ष में 1,600 करोड़ रुपये की बिक्री का लक्ष्य लेकर चल रही है।

किकला को उम्मीद है कि अगले कई सालों तक सालाना 50 से 60 प्रतिशत की स्थिर वृद्धि बनी रहेगी, क्योंकि वे सबसे बड़े ग्राहक वर्ग, यानी निम्न-मध्यम वर्ग पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

रुपये में मजबूती, डॉलर के मुकाबले 15 पैसे सुधरा

मुंबई, यूटर्न/ 07 जुलाई। रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 15 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.28 पर पहुंच गया। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव कम होने के मद्देनजर सऊदी अरब के अगस्त के लिए एशिया को कच्चे तेल के आधिकारिक बिक्री मूल्य में कटौती किए जाने की खबरों से बाजार धारणा बेहतर हुई है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.33 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.28 तक पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव की तुलना में 15 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.43 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ 100.86 पर रहा।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

मजाक बना मौत की वजह, युवक को बेरहमी से मार डाला

» **गाजियाबाद, यूटर्न/ 07 जुलाई ।**

गाजियाबाद के मोदीनगर के पूठरी गांव में एक मामूली सी बात पर हुए विवाद ने खूनी रूप ले लिया। एक युवक को सिर्फ इसलिए मौत के घाट उतार दिया गया क्योंकि उसने एक ग्रामीण पर तंज कस दिया था। आरोपी ने इतनी बेरहमी से हत्या को अंजाम दिया कि मृतक की आंखें फोड़ दीं और दरांती से शरीर पर अनगिनत वार किए। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और हत्या में इस्तेमाल की गई दरांती व मृतक का मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया है। डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी ने घटना का खुलासा करते हुए बताया कि मृतक तरुण उर्फ नमित, मूल रूप से मुजफ्फरनगर के खतौली का रहने वाला था और पिछले दो वर्षों से पूठरी गांव में अपने परिवार के साथ किराए पर रह रहा था। रविवार शाम से लापता तरुण का शव सोमवार को गांव से करीब 500 मीटर दूर गन्ने के खेत में मिला। शव की हालत अत्यंत वीभत्स थी, जिससे हत्या की क्रूरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पूठरी गांव के ही निवासी निरांचल उर्फ मंत्री को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। डीसीपी के अनुसार, आरोपी ने पूछताछ के दौरान अपना जुर्म कबूल कर लिया है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि मामूली सी कहासुनी और तंज कसने की बात इतनी बढ़ गई कि आरोपी ने आपा खो दिया और निर्मम हत्या को अंजाम दिया। मृतक तरुण अपने परिवार में सबसे बड़ा था। उसके पिता निर्दोष सैन मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करते हैं। मां मधुबाला, भाई कृष्णा और दो बहनें अनुराधा व गुड़िया का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार ने आरोपी के लिए कड़ी से कड़ी सजा की मांग की है। इस घटना ने पूरे गांव में भय और आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है।

पुलिस ने बताया कि तरुण परतापुर के गेझा औद्योगिक क्षेत्र में गद्दा फैक्टरी में काम करता था। रविवार को अवकाश होने के कारण वह शाम करीब पांच बजे टहलने निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा।

दोपहिया वाहन और मोबाइल चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, 6 आरोपी गिरफ्तार

नोएडा, यूटर्न/ 07 जुलाई । नोएडा के सेक्टर-20 थाने की पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी और मोबाइल स्नैचिंग की घटनाओं को अंजाम देने वाले एक सक्रिय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए गिरोह के छह शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके साथ ही दो बाल अपचारियों को अभिरक्षा में लिया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी की तीन मोटरसाइकिलें, तीन मोबाइल फोन, एक अवैध तमंचा और तीन अवैध चाकू बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, 7 जुलाई को लोकल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद से थाना सेक्टर-20 क्षेत्र के कैलाश कट, सेक्टर-27 के पास अभियान चलाया गया। इस दौरान दानिश, अप्पू उर्फ संदीप, विकास, साहिल उर्फ शुभम, शरद सिंह देव और सूरज कुमार गुप्ता को गिरफ्तार किया गया, जबकि गिरोह से जुड़े दो नाबालिगों को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। पूछताछ में सामने आया कि सभी आरोपी संगठित तरीके से गिरोह बनाकर पहले विभिन्न इलाकों की रेकी करते थे और फिर दोपहिया वाहन तथा मोबाइल फोन चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। चोरी की गई मोटरसाइकिलों का इस्तेमाल नोएडा और एनसीआर क्षेत्र में मोबाइल स्नैचिंग एवं अन्य चोरी की घटनाओं के लिए किया जाता था। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की गतिविधियों से क्षेत्र में लगातार हो रही मोबाइल चोरी और स्नैचिंग की कई घटनाओं का खुलासा हुआ है। बरामदगी के दौरान पुलिस ने तीन चोरी की मोटरसाइकिलें और तीन मोबाइल फोन बरामद किए। इनमें से दो मोटरसाइकिलें पहले से दर्ज चोरी के मामलों से संबंधित पाई गईं। इसके अलावा आरोपी विकास के पास से .315 बोर का एक अवैध तमंचा बरामद हुआ, जबकि दानिश, साहिल और शरद के कब्जे से एक-एक अवैध चाकू मिला।

सौतेले चाचा ने नौ साल की मासूम के साथ की अश्लीलता

» **लोनी, यूटर्न/ 07 जुलाई ।**

बॉर्डर थानाक्षेत्र की एक कॉलोनी में नौ साल की बच्ची के साथ घर में घुसकर अश्लीलता करने का मामला सामने आया है। यह घटना बच्ची के सौतेले चाचा ने की है। घटना के दौरान बच्ची के माता-पिता घर पर नहीं थे। मामले की शिकायत स्थानीय पुलिस से की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बॉर्डर थानाक्षेत्र की एक कॉलोनी में पीड़ित व्यक्ति परिवार के साथ रहते हैं। उन्होंने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि परिवार में पत्नी, नौ साल की बेटी व अन्य सदस्य हैं। उन्होंने बताया कि 25 जून को उनकी बेटी घर पर अकेली थी। वह अपनी पत्नी के साथ बाहर गए हुए थे। उनके मकान के कमरे में कुछ दिन पूर्व किराए पर रहने उनका सौतेला भाई घर पर आया था। आरोप है कि घर में उनकी बेटी को अकेला पाकर सौतेले भाई ने उसके साथ अश्लीलता की। बेटी के विरोध करने पर आरोपी ने धमकी देकर डराया। जब वह घर पहुंचे तो बेटी उन्हें घटना की जानकारी दी। उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस से की है। एसीपी अंकुर विहार अमरदीप मौर्या ने बताया कि पिता ने मामले में शिकायत दी है और उसी के आधार पर मासूम के सौतेले चाचा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

टेस्ट ड्राइव के बहाने कार चुराने वाले दो गिरफ्तार, नाबालिग हिरासत में

साहिबाबाद, यूटर्न/ 07 जुलाई । टीलामोड़ थानाक्षेत्र में संचालित धुलाई सेंटर से कार चुराने वाले दो आरोपी पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार किए हैं। आरोपी नई दिल्ली के आरके पुरम सेक्टर-तीन निवासी अंश यादव और सेक्टर पांच निवासी प्रिंस है। इनके अलावा पुलिस ने एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया है। तीनों ने पूछताछ में धुलाई सेंटर से टेस्ट ड्राइव के बहाने कार चुराने की बात स्वीकार की है।

प्रभारी एसीपी शालीमार गार्डन अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि पसौंडा निवासी जाबिर ने पांच जुलाई को थाने पर तहरीर देकर कार चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोप था कि उन्होंने अपनी कार धुलाई के लिए दी थी। कुछ समय बाद जब वह कार लेने पहुंचे तब चोरी का पता चला। एसीपी ने बताया कि पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू किया। सोमवार को हिंडन हवाई अड्डा सिविल टर्मिनल मार्ग से पुलिस ने टीम ने कार को ट्रेस कर चेकिंग के दौरान रोका और उसमें सवार तीनों आरोपियों को पकड़ लिया। पूछताछ में अंश व प्रिंस ने बताया कि वह तीनों कार धुलाई सेंटर पर ही काम करते हैं। रविवार को टेस्ट ड्राइव के बहाने तीनों कार लेकर चले गए थे। सोमवार को उसे बेचने के लिए ले जा रहे थे। एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि प्रिंस व अंश को गिरफ्तार कर कोर्ट के आदेश से जेल भेजा गया है। वहीं, नाबालिग को बाल सुधार गृह भेजा गया है।

संक्षिप्त खबरें

चोरी की कार पर फर्जी नंबर प्लेट लगाने के मामले में जमानत याचिका खारिज

फरीदाबाद, यूटर्न/ 07 जुलाई । अतिरिक्त सत्र अदालत ने चोरी की कार पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर इस्तेमाल करने के मामले में आरोपी गोविंदा कुमार की नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि मामले में लगाए गए आरोप गंभीर हैं तथा इस स्तर पर आरोपी को जमानत दिए जाने से गवाहों को प्रभावित करने, साक्ष्यों से छेड़छाड़ करने और फरार सह-आरोपियों की गिरफ्तारी प्रभावित होने की आशंका है। एसजीएम नगर निवासी गौरव ने 21 अक्टूबर 2025 को प्राथमिकी दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि 20 अक्टूबर की रात उसकी कार घर के बाहर खड़ी थी, जो अगली सुबह चोरी मिली। प्रारंभिक जांच में आरोपी का पता नहीं चलने पर पुलिस ने अनट्रेस रिपोर्ट दाखिल कर दी थी।

बाद में पुलिस को जानकारी मिली कि चोरी की यही कार बिहार के सिवान जिले में शराब तस्करी से जुड़े एक मामले में बरामद हुई थी। उस मामले में गोविंदा कुमार गिरफ्तार हुआ था। इसके बाद उसे उत्पादन वारंट के जरिये इस मामले में भी शामिल किया गया और 6 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस का आरोप है कि गोविंदा कुमार ने सह-आरोपी राजन कुमार यादव और प्रिंस कुमार सिंह के साथ मिलकर चोरी की कार खरीदी थी। इसके बाद वाहन की मूल नंबर प्लेट हटाकर उसकी जगह फर्जी नंबर प्लेट लगा दी गई। पुलिस ने यह भी बताया कि दोनों सह-आरोपियों की गिरफ्तारी अभी बाकी है।

जिम में कसरत के दौरान दो युवतियों के आईफोन चोरी

फरीदाबाद, यूटर्न/ 07 जुलाई । ओल्ड फरीदाबाद स्थित एक जिम में कसरत के दौरान दो युवतियों के आईफोन चोरी होने के मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता कोमल गुप्ता ने बताया कि वह अपनी सहेली निधि के साथ दो जुलाई को रोजाना की तरह वाई प्वाइंट के पास स्थित जिम में कसरत करने गई थी। दोनों ने व्यायाम के दौरान अपने मोबाइल मेज पर रख दिए। कसरत पूरी करने के बाद लौटने पर दोनों के मोबाइल गायब मिले। शिकायत के अनुसार जिम संचालक ने पहले अपने स्तर पर मोबाइल तलाशने का आश्वासन दिया, लेकिन दो दिन बाद भी कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद जिम के सीसीटीवी फुटेज देखने पर एक अज्ञात युवक दोनों मोबाइल उठाकर ले जाता दिखाई दिया। शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपी जिम का सदस्य नहीं था और केवल चोरी के उद्देश्य से वहां आया था।

जेसीबी पर फेंके पत्थर, विरोध के बीच तोड़ी गईं 500 से अधिक झुग्गियां

» **गाजियाबाद, यूटर्न/ 07 जुलाई**

बीएस रोड औद्योगिक क्षेत्र में नाले के किनारे बनीं 500 से अधिक झुग्गियों को सोमवार को यूपीसीडा और पुलिस-प्रशासन की टीम ने ध्वस्त कर दिया। इस दौरान टीम को लोगों के विरोध का सामना भी करना पड़ा। झुग्गियां हटाए जाने से नाराज कुछ लोगों और महिलाओं ने जेसीबी पर पत्थर फेंके। मौके पर मौजूद पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित किया और लोगों को भड़काने के आरोप में कुछ लोगों को हिरासत में लिया, जिन्हें बाद में छोड़ दिया गया। सुबह करीब नौ बजे शुरू हुई कार्रवाई शाम तक जारी रही।

पुलिस व प्रशासन की टीम झुग्गियां हटाने पहुंची तो बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए और विरोध शुरू कर दिया। कुछ लोग जेसीबी के सामने आ गए। विरोध प्रदर्शन में महिलाएं भी शामिल रहीं। मौके पर मौजूद महिला पुलिसकर्मियों ने महिलाओं को समझाया कि बारिश के दौरान नाला ओवरफ्लो होने की स्थिति में जान-माल का खतरा हो सकता है, इसलिए यह कार्रवाई की जा रही है। वहीं, विरोध कर रहे लोगों का कहना था कि उन्हें हटाने से पहले पुनर्वास की व्यवस्था की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम में परिवार और गृहस्थी लेकर जाना मुश्किल होगा। इस पर यूपीसीडा अधिकारियों ने बताया कि झुग्गियां हटाने के लिए पहले 15 दिन का समय दिया गया था। मुनादी भी कराई गई थी और बारिश के दौरान नाले से होने वाले खतरे को लेकर लोगों को आगाह किया गया था। तय समय सीमा के भीतर झुग्गियां नहीं हटाने पर कार्रवाई की गई।

800 मीटर तक नाले के किनारे बस गई थीं झुग्गियां

विवेकानंदनगर आरओबी से बीएस रोड औद्योगिक क्षेत्र में उतरते ही लोहामंडी के सामने जीटी रोड तक करीब 800 मीटर लंबे नाले के किनारे झुग्गियां बसी हुई थीं।

बीएस रोड औद्योगिक क्षेत्र एसोसिएशन के अध्यक्ष सुशील अरोड़ा ने बताया कि करीब 20 वर्षों से नाले के किनारे झुग्गियां बसती जा रही थीं। उनका कहना है कि कुछ लोगों ने कब्जा कर झुग्गियां बनाईं और उन्हें किराये पर दे दिया, जबकि वे स्वयं अन्य रिहायशी क्षेत्रों में मकानों में रहते हैं। झुग्गियों में अधिकांश लोग मजदूरी का काम करने वाले हैं।

झुग्गियों में पूरी गृहस्थी, फ्रिज और एलईडी तक मिले

लंबे समय से रह रहे लोगों ने झुग्गियों में पूरी गृहस्थी बसा ली थी। कार्रवाई के दौरान कई झुग्गियों से फ्रिज, डीप फ्रीजर, सोलर प्लेट, कूलर, एलईडी, आलमारी, गैस सिलिंडर व अन्य घरेलू सामान निकले।

मंगोलपुरी में दो भाइयों पर चाकू से हमला, एक की मौत और दूसरा भाई घायल, परिजनों के पुलिस पर गंभीर आरोप

» **दिल्ली, यूटर्न/ 07 जुलाई ।**

दिल्ली में राज पार्क पुलिस स्टेशन के मंगोलपुरी इलाके में दो भाइयों पर चाकू से हमला किया गया। इस घटना में एक भाई की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है।

चार से पांच आरोपियों ने इस वारदात को अंजाम दिया और मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतक की पत्नी ने बताया कि जब वह संजय गांधी हॉस्पिटल पहुंचीं तो वहां कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था। पत्नी के अनुसार, अचानक कोई पीछे से आया और उनके पति पर हमला कर दिया। उन्होंने यह भी बताया कि करीब एक साल पहले उनकी ननद और देवर को भी चाकू मारा गया था। तब पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की थी। उनका कहना है कि यदि पुलिस ने पहले कार्रवाई की होती तो आज उनके पति जीवित होते।

मृतक के भाई मुकेश ने घटना के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि आरोपी

अचानक उनके पीछे से आ गए और उन्हें चाकू मार दिया। जब उनका भाई बचाने आया तो उसके सीने में चाकू घोंप दिया गया। मुकेश ने बताया कि एक साल पहले भी उनकी बहन को चाकू मारा गया था। उस घटना के बारे में भी कोई कार्रवाई नहीं की गई थी। उन्होंने आरोपियों को कड़ी सजा देने की मांग की है। पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

लंदन में अपनी चमक बिखेरेंगी नेहा धूपिया

अभिनेत्री नेहा धूपिया अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म '52 ब्लू' के साथ वैश्विक मंच पर नई शुरूआत करने जा रही हैं। मिस्र के निर्देशक अली अल अरबी की इस फिल्म का यूरोपीय प्रीमियर 9 जुलाई 2026 को बीएफआई साउथबैंक में आयोजित होने वाले लंदन फिल्म फेस्टिवल के उद्घाटन के साथ होगा। फिल्म का ट्रेलर और पहली झलक पहले ही दर्शकों और समीक्षकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त कर चुके हैं, वहीं नेहा के अभिनय की भी जमकर सराहना हुई है।

इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए नेहा धूपिया ने कहा कि '52 ब्लू' उनके लिए बेहद खास फिल्म है, क्योंकि यह उनका पहला अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट है। उन्होंने कहा कि लंदन फिल्म फेस्टिवल जैसे प्रतिष्ठित मंच पर फिल्म का प्रदर्शन किसी सपने के सच होने जैसा है। नेहा ने इसे पूरी टीम के लिए सम्मान बताया और कहा कि आदिल हुसैन सहित सभी प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ इस उपलब्धि को साझा करना उनके लिए यादगार अनुभव है। उन्होंने लंदन में दर्शकों की प्रतिक्रिया देखने को लेकर भी उत्साह व्यक्त किया।

फिल्म '52 ब्लू' फीफा विश्व कप 2022 की पृष्ठभूमि पर आधारित है और एक भारतीय प्रवासी मजदूर के संघर्ष व उसके परिवार की भावनात्मक यात्रा को दिखाती है। फिल्म में फुटबॉल महानायक लियोनल मेसी की मौजूदगी भी इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खास बनाती है। नेहा धूपिया इसमें एक ऐसे बच्चे की मां की भूमिका निभा रही हैं, जो मेसी का बड़ा प्रशंसक है और उनसे मिलने का सपना देखता है। फिल्म भावनात्मक रिश्तों, संघर्ष और उम्मीद की कहानी को प्रभावशाली ढंग से पर्दे पर पेश करती है।

अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस की झलक दिखाई प्रियंका चोपड़ा ने

अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस से पहले होने वाले जश्न की झलक अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने अपने प्रशंसकों के साथ साझा की है। सोशल मीडिया पर उन्होंने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें बड़ी कांच की खिड़कियों के बाहर रात के आसमान में रंग-बिरंगी आतिशबाजी होती दिखाई दे रही है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने सभी को 4 जुलाई की शुभकामनाएं भी दीं। प्रियंका चोपड़ा का अमेरिका से लंबे समय से गहरा जुड़ाव रहा है। बचपन के कुछ वर्ष उन्होंने अपने रिश्तेदारों के साथ अमेरिका में बिताए थे। इस दौरान उन्होंने मैसाचुसेट्स, आयोवा और न्यूयॉर्क के स्कूलों में पढ़ाई की। बाद में भारत लौटकर उन्होंने मनोरंजन जगत में अपनी पहचान बनाई और बॉलीवुड में सफल करियर स्थापित करने के बाद हॉलीवुड की ओर रुख किया। अभिनेत्री कई बार बता चुकी हैं कि हॉलीवुड में उन्होंने अपने करियर की शुरूआत बिल्कुल नए कलाकार की तरह की। उन्होंने कहा कि भारत में बड़ी सफलता मिलने के बावजूद उन्होंने कभी विशेष व्यवहार की उम्मीद नहीं की। उन्हें अन्य कलाकारों की तरह ऑडिशन देने पड़े, कास्टिंग एजेंसियों से मिलना पड़ा और खुद को विभिन्न भूमिकाओं के लिए प्रस्तुत करना पड़ा।

बारुईपुर केस पर मुनमुन दत्ता ने जताया दुख, बच्ची के लिए मांगा इंसाफ

टीवी एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता ने कोलकाता के बारुईपुर में 12 साल की लड़की के रेप और मर्डर केस पर अपना दुख और गुस्सा जाहिर किया। उन्होंने अधिकारियों से अपील की है कि वे इन लोगों को ढूंढें और बच्ची को इंसाफ दिलाएं।

मुनमुन दत्ता ने एक पोस्टर शेयर किया, जिस पर लिखा था, 'बारुईपुर के लिए इंसाफ।' कैप्शन में उन्होंने बस इतना लिखा, '12 साल की लड़की, एक छोटी सी बच्ची, जिसका रेप और मर्डर कर दिया गया। इन लोगों को ढूंढो।' पश्चिम बंगाल के बारुईपुर इलाके में 5 जुलाई को एक तालाब से 12 साल की लड़की का शव मिला। वह 4 जुलाई से लापता थी। मृतक लड़की के परिवार वालों का आरोप है कि उसके साथ रेप हुआ और फिर उसकी हत्या कर दी गई। हालांकि, पुलिस ने अभी तक इस आरोप की पुष्टि नहीं की है। नाबालिग लड़की के शव का पोस्टमार्टम 5 जुलाई की रात को पूरा हुआ।

पुलिस का कहना है कि हत्या की वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगी। पुलिस के मुताबिक, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से यह भी पता चलेगा कि उसके साथ रेप हुआ था या नहीं और रिपोर्ट के आधार पर ही आगे का मामला दर्ज किया जाएगा।

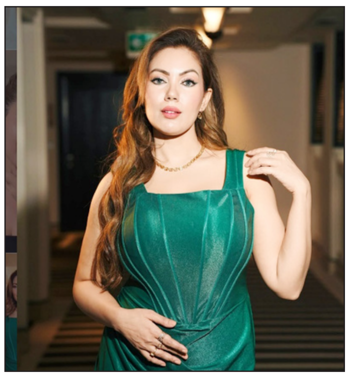

सोमवार, 6 जुलाई को बारुईपुर पुलिस जिले ने अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले तीन पुलिस थानों के इलाकों में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी।

निषेधाज्ञा लागू होने के साथ ही, इन तीन पुलिस थानों के इलाकों में एक ही समय और जगह पर पांच या उससे ज्यादा लोगों के इकट्ठा होने पर अगले आदेश तक रोक लगा दी गई है। इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। रविवार को बारुईपुर में एक तालाब से नाबालिग लड़की का शव मिलने के बाद तनाव फैल गया था।

प्रियदर्शन की अगली फिल्म में अक्षय कुमार अपना पॉपुलर किरदार फिर दोहराएंगे

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार का नाम इस वक्त निर्देशक प्रियदर्शन के साथ फिल्म को लेकर चर्चा में बना है। इस साल आई भूत बंगला की सफलता के बाद अब प्रियदर्शन और अक्षय कुमार ने एक और नई मूवी के लिए हाथ मिलाया है, जिसका कनेक्शन 22 साल पुरानी एक कल्ट कॉमेडी फिल्म से बताया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रियदर्शन की अगली फिल्म में अक्षय कुमार अपने एक पॉपुलर किरदार को दोबारा से दोहराते हुए नजर आएंगे।

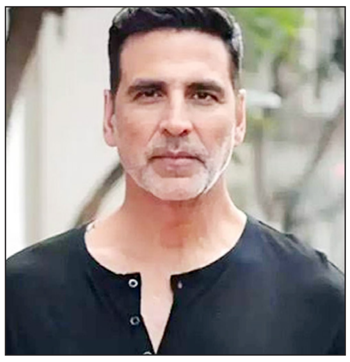

रिपोर्ट के मुताबिक साल 2004 में प्रदर्शित फिल्म मुझसे शादी करोगी में अभिनेता अक्षय कुमार ने अपने चुलबुले पात्र सनी की भूमिका से दर्शकों को खूब हंसाया था। अब हाल ही में खबरें आईं कि वह फिल्मकार प्रियदर्शन के साथ नौंवी फिल्म करने जा रहे हैं। इस फिल्म का कनेक्शन मुझसे शादी करोगी फिल्म से भी जुड़ा होगा। सिनेमाई गलियारों की रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म का शीर्षक विक्ड सनी होगा। जो फिल्म के नायक नाम पर आधारित होगा यानी मुझसे शादी करोगी फिल्म के बाद अक्षय एक बार फिर सनी नामक भूमिका निभाएंगे।

फिल्म की शूटिंग दिसंबर से शुरू हो सकती है। इससे पहले अक्षय और प्रियदर्शन साथ में फिल्म हेराफेरी 3 करने वाले थे। हालांकि, अब प्रियदर्शन हेराफेरी 3 का हिस्सा नहीं हैं। वहीं अक्षय की प्रोडक्शन कंपनी केप ऑफ गुड फिल्म्स की तरफ से फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी सभी संस्थाओं के लिए जारी नोटिस भी सामने आई है, जिसमें प्रोडक्शन कंपनी की तरफ से यह दावा किया गया है कि हेराफेरी 3 को बनाने, उसकी मार्केटिंग और रिलीज समेत फिल्म से जुड़े सभी अधिकार उनके पास सुरक्षित हैं। मौजूदा समय में वेलकम टू द जंगल की सफलता को लेकर अक्षय कुमार का नाम लाइमटाइट में बना हुआ है। आने वाली मूवी का नाम हैवान है, जिसका डायरेक्शन प्रियदर्शन ने किया है।

वर्ल्ड आर्चरी का फैसला, ज्योति सुरेखा वेन्नम के वर्ल्ड कप फाइनल ब्रॉन्ज मेडल को सिल्वर में बदला

» **मुंबई, यूटर्न/ 07 जुलाई ।**

भारतीय स्टार तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम का 2025 आर्चरी विश्व कप फाइनल (नानजिंग) में जीता गया ब्रॉन्ज मेडल अब सिल्वर में बदल गया है। खेल की वैश्विक संस्था 'वर्ल्ड आर्चरी' ने यह फैसला मैक्सिको की मरीना बर्नाल को डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन का दोषी पाए जाने के बाद अयोग्य घोषित करने के चलते लिया।

भारत की टॉप कंपाउंड आर्चर ज्योति, चैंपियनशिप की फाइनल रैंकिंग में मूल रूप से तीसरे स्थान पर थीं, लेकिन मेक्सिको की मरीना बर्नाल के एंटी-डोपिंग नियमों का उल्लंघन करने के कारण अयोग्य घोषित होने के बाद मेडल रैंकिंग में बदलाव किया गया है। बर्नाल से 29 सितंबर 2025 को डोपिंग सैंपल लिया गया था, जिसमें पॉजिटिव पाए जाने के बाद उन्हें वर्ल्ड आर्चरी फेडरेशन के नियम 3 के तहत अयोग्य घोषित कर दिया गया।

ऐसे में फाइनल नतीजों में आधिकारिक बदलाव हुआ। 'आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया' से मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार को वर्ल्ड आर्चरी ने इस फैसले की पुष्टि की। इसके परिणामस्वरूप ग्रेट ब्रिटेन की एला गिब्सन को ब्रॉन्ज मेडल दिया गया है। 23 वर्षीय बर्नाल ने सितंबर में प्रतियोगिता के बाहर हुए टेस्ट में एनाबॉलिक स्टेरॉयड (नैंड्रोलोन) के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद डोपिंग उल्लंघन को चुनौती नहीं दी और उन पर 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के बाद तक का प्रतिबंध लगा दिया गया है। फिलहाल ज्योति सुरेखा मैड्रिड में होने वाले आर्चरी वर्ल्ड कप स्टेज 4 की तैयारी कर रही हैं, जिसके लिए उन्हें राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने बहरीन के उप प्रधानमंत्री से की मुलाकात, द्विपक्षीय सहयोग पर हुई चर्चा

» **मनामा, यूटर्न/ 07 जुलाई ।**

विदेश मंत्री एस. जयशंकर छह देशों की अहम यात्रा पर हैं। दौरे के तीसरे दिन वह बहरीन के उप प्रधानमंत्री खालिद बिन अब्दुल्ला अल खलीफा से मिले। मंगलवार सुबह हुई इस मुलाकात के दौरान दोनों ने भारत और बहरीन के बीच विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

एस जयशंकर ने एक्स पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा,' मंगलवार सुबह बहरीन के उप प्रधानमंत्री महामहिम खालिद बिन अब्दुल्ला अल खलीफा से मिलकर खुशी हुई। हमने विभिन्न क्षेत्रों में अपने द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा की। साथ ही क्षेत्रीय स्थिति पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।'

उन्होंने आगे लिखा कि बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने भारत-बहरीन संबंधों को और मजबूत करने तथा आपसी हितों से जुड़े क्षेत्रीय मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने को लेकर चर्चा की। विदेश मंत्री 5 जुलाई को कतर, बहरीन, कुवैत, ओमान, बेल्जियम और अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर रवाना हुए। दस दिवसीय यात्रा का मकसद इन देशों के साथ अपने रिश्तों को और सुदृढ़ करना है। विदेश मंत्री की खाड़ी देशों की यात्रा की टाइमिंग काफी अहम है। यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिका-ईरान शांति समझौते के बाद पश्चिम एशिया की राजनीतिक परिस्थितियों में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है।

यात्रा से पहले खाड़ी देशों की यात्रा को लेकर विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक बयान जारी किया। जिसके मुताबिक, 'विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर 5 से 10 जुलाई तक कतर, बहरीन, कुवैत और ओमान की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। इन देशों की यात्रा के दौरान, वे अपने समकक्षों और वहां के नेतृत्व से मुलाकात करेंगे। यात्रा का फोकस इन चार देशों के साथ हमारे द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने पर होगा और साथ ही क्षेत्रीय घटनाक्रमों और आपसी हित के मुद्दों पर विचारों के आदान-प्रदान का अवसर भी मिलेगा।'

इसके बाद, विदेश मंत्री 13 जुलाई को न्यूयॉर्क जाएंगे, जहां वे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के 2028-29 कार्यकाल के लिए भारत के आधिकारिक अभियान की शुरूआत करेंगे। फिर वे 14-15 जुलाई को ब्रुसेल्स में तीसरी भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद (टीटीसी) की बैठक में शामिल होंगे और यूरोपीय संघ और बेल्जियम में समकक्षों से बातचीत करेंगे।

खेतों से लेकर फैक्ट्री तक काम करेंगे चीनी रोबोट

चीन ने खोला दुनिया का पहला रोबोट स्कूल

» **बीजिंग, यूटर्न/ 07 जुलाई ।**

चीन ने एक बार फिर अपनी तकनीकी क्षमताओं का लोहा मनवाया है। दुनिया में जहां इंसानी शिक्षा के मॉडल विकसित किए जा रहे हैं, वहीं चीन ने एक नई क्रांति की शुरूआत कर दी है। शंघाई में दुनिया का पहला 'ूमनॉइड रोबोट ट्रेनिंग सेंटर खुल चुका है, जो अब तक की सबसे अनोखी पहल है। यहां सिर्फ इंसान नहीं, बल्कि 100 से अधिक इंसानों जैसे दिखने वाले रोबोटों को उन सभी कामों का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जो हम अपने रोजमर्रा के जीवन में करते हैं। चाहे वह खेत हों या फैक्ट्रियां, घर हों या अस्पताल। यह दशार्ता है कि भविष्य में रोबोट हमारी ज़िंदगी का एक अभिन्न और सक्रिय हिस्सा बनने वाले हैं, और चीन इस बदलाव में सबसे आगे रहना चाहता है।

इस अनूठे प्रशिक्षण केंद्र में रोबोटों को शुरूआत में लगभग 45 बुनियादी काम सिखाए जाएंगे। इनमें सामान्य वस्तुओं को उठाना, पकड़ना, सही जगह पर रखना और एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाना शामिल है। ये ऐसे कार्य हैं जो औद्योगिक और घरेलू दोनों ही परिवेशों में अत्यंत आवश्यक होते हैं। धीरे-धीरे उन्हें अधिक जटिल कार्यों के लिए भी तैयार किया जाएगा, जैसे कपड़े मोड़ना, अलमारियां साफ करना, नाजुक गैजेट्स की सफाई करना और अन्य घरेलू व औद्योगिक कार्य। दिलचस्प बात यह है कि इंसानों के लिए आसान लगने वाला टी-शर्ट मोड़ना भी इन रोबोटों के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण कामों में से एक माना जाता है..

संक्षिप्त खबरें

रूस ने यूक्रेन पर अमेरिका के प्रस्तावों को खारिज नहीं किया : रियाबकोव

मास्को, यूटर्न/ 07 जुलाई । रूस के उप विदेश मंत्री सर्गेई रियाबकोव ने सोमवार को कहा कि अलास्का शिखर सम्मेलन से पहले यूक्रेन के संबंध में अमेरिका द्वारा दिए गए प्रस्तावों को रूस ने खारिज नहीं किया है। श्री रियाबकोव ने संवाददाताओं से कहा, 'एंकोरेज (अलास्का) में होने वाले शिखर सम्मेलन से पहले अमेरिका की ओर से जो प्रस्ताव दिए गए थे और जिन पर हमने सहमति जताई थी, उन्हें हम नहीं छोड़ रहे हैं। श्री रियाबकोव ने कहा कि रूस अंकारा में नाटो शिखर सम्मेलन के बाद यूक्रेन पर अमेरिका के रुख पर नजर रखेगा। उन्होंने कहा कि यूक्रेन मामले के समाधान को लेकर अमेरिका का रवैया अभी बहुत अलग-थलग है और यूक्रेन में शांति के विरोधी इस मुद्दे पर अमेरिका के रुख का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। उप विदेश मंत्री रियाबकोव ने कहा कि रूस, यूक्रेन संघर्ष में अमेरिका की भागीदारी पर अपनी असहमति को अमेरिका तक पहुंचा रहा है। उन्होंने कहा कि रूस और अमेरिका के बीच बातचीत रोजाना और अलग-अलग स्तरों पर जारी है।

तेहरान से कोम पहुंचा खामेनेई का पार्थिव शरीर

तेहरान, यूटर्न/ 07 जुलाई । ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई का पार्थिव शरीर सोमवार शाम राजधानी तेहरान से धार्मिक नगरी कोम पहुंच गया। ईरान के सरकारी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पार्थिव शरीर को हेलिकॉप्टर के जरिए कोम लाया गया, जहां अंतिम यात्रा के साथ पारंपरिक धार्मिक रस्में पूरी की जा रही हैं। इसके बाद उनके पार्थिव शरीर को उनके गृह नगर मशहद ले जाया जाएगा, जहां गुरुवार को इमाम रजा दरगाह परिसर में उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। यहां बताते चलें कि कोम ईरान के सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक शहरों में से एक माना जाता है और शिया मुसलमानों का प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र है। अयातुल्ला खामेनेई ने अपनी प्रारंभिक और उच्च धार्मिक शिक्षा इसी शहर में प्राप्त की थी। यहीं से उन्होंने इस्लामी अध्ययन और धार्मिक नेतृत्व की दिशा में अपनी पहचान बनाई, जिसके बाद वे देश के सबसे प्रभावशाली धार्मिक नेताओं में शामिल हुए। इससे पहले तेहरान में लगातार तीसरे दिन भी खामेनेई की अंतिम यात्रा में जनसैलाब उमड़ा। राजधानी की सड़कों पर लाखों लोगों ने अपने दिवंगत नेता को अंतिम विदाई दी।

मुनीर को कहां से मिली भारत को धमकाने की ताकत?

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 जुलाई**

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत से मुंह की खा चुके पाकिस्तान की सेना प्रमुख आसिम मुनीर को इतना आत्मविश्वास कहां से मिल रहा है? कि वे भारत के खिलाफ बोल सकें। कहीं इसके पीछे यूक्रेन का वह अप्रत्याशित सहयोग तो नहीं है, जिसे भारत ने कुछ महीने पहले उजागर किया था। भारतीय सीमा पर अपने लगभग 600 ड्रोन गंवाने के बाद, ऐसी खबरें हैं कि यूक्रेन अब पाकिस्तानी सेना को आधुनिक ड्रोन युद्ध में प्रशिक्षित कर रहा है।

ऐसे में यह जानना महत्वपूर्ण है कि यूक्रेन आखिर पाकिस्तानी सेना को कौन सी नई रणनीतियाँ सिखा रहा है, जिससे उनका आत्मविश्वास इतना बढ़ गया है। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर, सिंधु नदी समझौता रद्द होने की संभावना से बौखलाए हुए प्रतीत होते हैं। हाल के बयानों में वह भारत के खिलाफ हर तरीका इस्तेमाल करने की धमकी दे रहे हैं, जिससे उनकी आक्रामक मानसिकता स्पष्ट होती है। हालांकि, यह सवाल उठता है कि पिछले साल, पाकिस्तानी सेना ने भारत के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी और आधुनिक साजिश रचने का प्रयास किया था, जिसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया था।

पाकिस्तान ने भारतीय सीमाओं के भीतर महत्वपूर्ण सैन्य और नागरिक ठिकानों को निशाना बनाने के लिए एक साथ लगभग 600 ड्रोन्स का इस्तेमाल करने की योजना बनाई थी। हालांकि, पाकिस्तानी सेना का यह संपूर्ण ड्रोन ऑपरेशन एक बहुत बड़ी विफलता साबित हुआ।

पाकिस्तानी सेना के अधिकांश ड्रोन या तो भारतीय सेना ने सीमा पर ही मार गिराए, या फिर वे तकनीकी कमियों और खराब रखरखाव की वजह से खुद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गए।

ट्रंप का दावा: अब युद्ध खत्म करना चाहते हैं पुतिन और जेलेंस्की

» **वॉशिंगटन, यूटर्न/ 07 जुलाई ।**

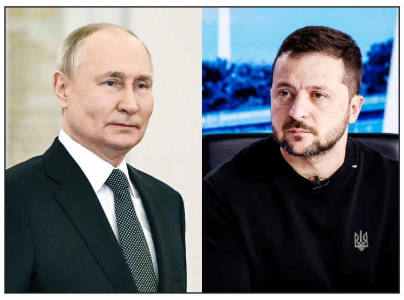

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को एक बड़ा दावा करते हुए कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की दोनों ही अपने देशों के बीच जारी युद्ध को समाप्त करने की प्रबल इच्छा रखते हैं। ट्रंप का यह महत्वपूर्ण बयान ऐसे समय में आया है, जब रूस ने कीव पर ताजा हवाई हमले किए हैं, जिनमें कम से कम अठारह लोगों की दुखद मौत हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास और कार्यालय व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने अपनी बात दृढ़ता से रखी। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति पुतिन इस युद्ध को खत्म करना चाहते हैं। मैं यह बात पूरे दृढ़ता से कह सकता हूं। हमारी उनके साथ अच्छी बातचीत हुई है। राष्ट्रपति जेलेंस्की भी अब वास्तव में युद्ध समाप्त करना चाहते हैं। हम नाटो सम्मेलन में जा रहे हैं और वहां भी इस बेहद अहम मुद्दे पर गहन चर्चा होगी।

पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने बताया कि सप्ताहांत में उन्होंने पुतिन और जेलेंस्की से फोन पर अलग-अलग बातचीत की, जिसका मुख्य उद्देश्य यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के प्रयासों पर चर्चा करना था। रूस-यूक्रेन युद्ध का उल्लेख करते हुए, ट्रंप ने एक बार फिर यह दोहराते हुए दावा किया कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान भारत और पाकिस्तान सहित कुल आठ युद्धों को रुकवाया था। उन्होंने विशेष रूप से दावा किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष से परमाणु युद्ध का गंभीर खतरा भी उत्पन्न हो गया था, जिसे उन्होंने टाल दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, मैंने आठ युद्ध खत्म कराए। मुझे लगा था कि यूक्रेन से जुड़ा मामला आसान होगा, क्योंकि मैं दोनों नेताओं को व्यक्तिगत रूप से जानता हूं।

मैंने भारत-पाकिस्तान के बीच भी तनाव कम कराया। ट्रंप ने आगे कहा, वह स्थिति परमाणु युद्ध तक पहुंच सकती थी। पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री के अनुसार, उस संघर्ष में चार से पांच करोड़ लोगों की जान जा सकती थी। उस समय ग्यारह विमान गिराए जा चुके थे और चार दिनों तक भीषण संघर्ष जारी था, लेकिन मैंने उसे रुकवा दिया। ट्रंप का यह बयान स्पष्ट रूप से पिछले वर्ष भारत द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में था, जिसे वह अपने हस्तक्षेप का परिणाम बता रहे थे। हालांकि, भारत किसी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के ऐसे दावों को लगातार और दृढ़ता से खारिज करता रहा है।

ईरान युद्ध के बाद ट्रंप-नेतन्याहू मुलाकात की बढ़ी संभावना

» **वाशिंगटन, यूटर्न/ 07 जुलाई ।**

इजरायल और अमेरिका के संयुक्त ऑपरेशन ने ईरान में जो तबाही मचाई है, उसके नतीजतन पूरी दुनिया की राजनीति में उथल-पुथल मची हुई है। अब इस समस्या का हल निकालने में खुद अमेरिका के पसीने छूट रहे हैं। कई एक्सपर्ट्स मानते हैं कि इजरायल के उकसावे में ही ट्रंप ने यह कदम उठाया था, और अब जब अमेरिका शांति चाहता है, तो इजरायल ऐसा नहीं चाहता। इन सबके बीच एक दिलचस्प खबर यह आ रही है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जल्द ही इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से व्हाइट हाउस में मुलाकात हो सकती है। यह मुलाकात ईरान युद्ध के बाद दोनों नेताओं के बीच पहली आमने-सामने की बैठक होगी।

डोनाल्ड ट्रंप ने फोन पर बातचीत में बताया कि नेतन्याहू ने उनसे मिलने की इच्छा जताई है, और यह बैठक नाटो शिखर सम्मेलन के बाद अगले सप्ताह या उसके अगले सप्ताह हो सकती है। ट्रंप ने इस दौरान स्पष्ट रूप से कहा कि उनके और नेतन्याहू के बीच अच्छे संबंध हैं, लेकिन वो अच्छी तरह से जानते हैं कि बॉस कौन है? ट्रंप का यह बयान इजरायल के प्रति अमेरिका की नई कठोर नीति और मध्य पूर्व में अपनी शर्तों पर शांति स्थापित करने की इच्छा को दशार्ता है। हालांकि, अमेरिकी प्रशासन के कुछ अधिकारियों का मानना है कि दोनों नेताओं के बीच पहले जैसी सहमति अब नहीं रही है, और इस मुलाकात के बाद क्या परिस्थितियां होंगी, इस पर सबकी नजरें टिकी हुई हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी पुष्टि की कि नेतन्याहू ने अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस पर ट्रंप को बधाई देने के लिए फोन किया था।

बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने जल्द अमेरिका में मुलाकात करने पर सहमति जताई। नेतन्याहू ने अमेरिका को वैश्विक स्वतंत्रता का प्रमुख संरक्षक बताते हुए दोनों देशों के रिश्तों को बेहद महत्वपूर्ण बताया। हालांकि, अमेरिका-इजरायल के रिश्तों में चल रही तल्खी अब किसी से छिपी नहीं है।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619
* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *